दैनिक
लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित
RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

बादल की चिट्ठी...

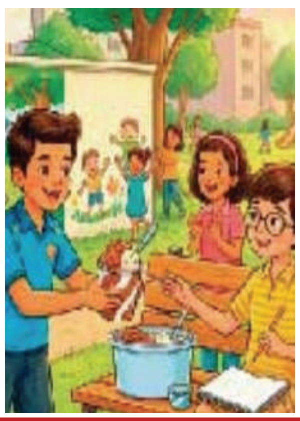

रंगों का जादूगर...

वर्ष : 12 | अंक : 225 | लखनऊ, 08 अगस्त, शनिवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

ख़बर संक्षेप

नारायण साईं की उम्रकैद पर रोक नहीं लगेगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम के बेटे नारायण साईं को दुष्कर्म मामले में मिली उम्रकैद की सजा पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट से कहा कि वह दोषसिद्धि के खिलाफ अपील का निपटारा3 महीने के भीतर करने का प्रयास करे। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और पीबी वराले की पीठ ने यह कहा।

तालाब में एक साथ 5 शव मिलने से सनसनी

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी जिले के अरेराज में मां और 4 बच्चों की मौत से सनसनी मच गई है। गोविंदगंज थाना क्षेत्र में एक तालाब से शुक्रवार सुबह 5 शव बरामद किए गए। मरने वालों में मां, उसके 2बेटे और 2बेटियां शामिल हैं। सभी बभनौली पंचायत के रहने वाले थे और गुरुवार शाम के बाद से घर से गायब थे। गांव में कोहराम है।

पटना में युवक की मौत पर आगजनी, पथराव

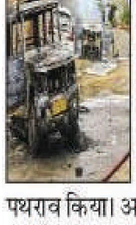

पटना। पटना में रोड एक्सीडेंट में युवक की मौत के बाद बवाल हो गया है। आक्रोशित भीड़ ने बस में आग लगा दी। पुलिस की तीन गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया। भीड़ ने पुलिस और पत्रकारों पर भी पथराव किया। अगमकुआं थाना क्षेत्र के बड़ी पहाड़ी इलाके में तेज रफ्तार बस ने युवक को कुचल दिया। इससे लोग आकरोशित थे।

राधाकृष्णन आज से अंडमान-निकोबार दौरे पर

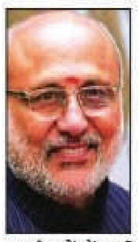

नई दिल्ली। भारत के उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 8 और 9 को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का 2 दिनी दौरा करेंगे। वे स्वतंत्रता संग्राम के ऐतिहासिक स्थलों पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और राष्ट्रीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे। 8 को श्री विजय पुरम स्थित सेलुलर जेल नेशनल मेमोरियल शहीद स्तंभ पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

पौड़ी। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में देवप्रयाग-पौड़ी मोटर मार्ग पर सबदरखाल के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में हरिद्वार के लक्सर से आए एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। इनकी बोलेरो कार अनियंत्रित होकर लगभग 200-250 मीटर गहरी खाई में गिर गई। इस दुर्घटना में एक 16 वर्षीय मासूम सुरक्षित बच गया है, जिसे भर्ती कराया है।

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी समेत कई भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितता

सीबीआई जांच पर संशय... नहीं बनी सहमति

छात्र आंदोलन को अडिग, 'गतिरोध' बरकरार

राजकुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी समेत विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों का आंदोलन चरम पर है। रांची के जैपल सिंह मुंडा स्टेडियम में प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों से एडीएम धनंजय कुमार और रांची सदर एसडीओ रजत कुमार ने छात्रों से बातचीत कर उनकी मांगों और परीक्षा से जुड़ी चिंताओं की जानकारी ली। छात्र नेताओं प्रतिनिधिमंडल में शामिल किए जाने वाले कुछ नामों को लेकर अभी गतिरोध बना हुआ है। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों के साथ सीधे संवाद किया। सरकार और छात्र प्रतिनिधिमंडल के बीच वार्ता हुई। राजकीय अतिथिशाला में करीब 2 घंटे तक विभिन्न मांगों पर चर्चा हुई। आंदोलन की अहम मांग सीबीआई जांच पर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका। ऐसे में छात्रों ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक इस मांग पर फैसला नहीं होता, तब तक उनका सत्याग्रह आंदोलन जारी रहेगा। अब अगली बैठक का इंतजार हो रहा है।

छात्रों और सरकार के बीच पहली वार्ता खत्म, नहीं निकला हल

अब अगली बैठक पर टिकी सबकी नजरें

झुकी सरकार छात्रों से बातचीत को तैयार

सरकार ने बातचीत के लिए केवल छात्रों वाली शर्त रखी

छात्र नेता राजेश कुमार ने कहा कि सरकार की ओर से बातचीत के लिए तैयार होने की बात कही गई है और छात्र भी पहले की तरह बातचीत के लिए तैयार हैं। सरकार ने बातचीत के लिए केवल छात्रों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल करने की शर्त रखी है। राजेश ने कहा कि छात्रों की ओर से तैयार की गई प्रतिनिधिमंडल की सूची में कुछ नामों को लेकर आपत्ति जताई गई है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल के नामों की सूची में बदलाव किया जा रहा है। छात्रों की एक प्रमुख मांग यह भी है कि सरकार के साथ होने वाली बातचीत मीडिया की मौजूदगी में हो।

छात्र बोले- खुले मंच पर मुख्यमंत्री से बातचीत हो

प्रदर्शन कर रहे एक छात्र ने कहा कि उनकी मांग है कि मुख्यमंत्री खुद खुले मंच पर लाइव मीडिया के सामने छात्रों से बातचीत करें। छात्र ने आरोप लगाया कि पिछले आंदोलन के दौरान उनके प्रतिनिधियों को बंद कमरे में ले जाकर बातचीत की गई थी, लेकिन उसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। छात्रों का कहना है कि उनकी मांगों पर गंभीर और पारदर्शी बातचीत होनी चाहिए।

राहुल को बोलना था-सीबीआई जांच होः केंद्रीय मंत्री सेठ

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने उम्मीदवारों के साथ एलओपी राहुल गांधी के संवाद पर कहा कि आधा महीना बीत गया, अब याद आया कुछ तो बोलना चाहिए। सीएण को बोलते कि सीबीआई जांच कराएं।

नेहा बोरा पर फेंकी गई स्याही

ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा पर रांची में

स्याही फेंकी गई है। उन्होंने कहा यह साधारण स्याही हमारा क्या बिगाड़ लेगी? स्याही फेंकने वाले युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हम पर आंसू गैस के गोले, पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया। कुछ नहीं हुआ।

सरकार ठोस सुधारों की दिशा में कदम बढ़ाना चाह रहीः हेमंत

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार छात्र की समस्या का समाधान करने की इच्छा रखती है।

जो छात्रों की इच्छा है, उस इच्छा को हम जयपाल सिंह स्टेडियम से बाहर तक ले जाने की कोशिश में हैं। छात्र-छात्राएं हैं, अपनी राय दे सकते हैं। हम बच्चों की ये जो जिज्ञासा है, उस जिज्ञासा को उनके अनुरूप बनाने के उद्देश्य से आगे बढ़ेंगे।

निष्पक्ष जांच की जाएः विधायक

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के विधायक जयराम महतो ने अनियमितताओं की

निष्पक्ष जांच की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि मामले में आरोपी बताए जा रहे व्यक्ति ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में दूसरी रैंक हासिल की थी और उसके परिवार के कई सदस्य भी परीक्षा में सफल हुए थे। ऐसे में भर्ती परीक्षाओं की गहन जांच कराई जानी चाहिए।

उधर, डीए की मांग पर पंजाब के कर्मचारी-पेंशनर्स का हल्ला बोल

विधानसभा घेराव के लिए बढ़े, पुलिस ने चलाई वाटर कैनन

पंजाब सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ता (डीए) नहीं दिए जाने के विरोध में शुक्रवार को हजारों कर्मचारी और पेंशनर चंडीगढ़ सेक्टर 39 की अनाज मंडी में रैली में पहुंचे। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने विधानसभा की तरफ कूच किया तो पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल कर उन्हें रोका। वहीं कर्मचारियों के प्रदर्शन के चलते रास्तों पर भीषण जाम लगा रहा। इस दौरान कर्मचारियों ने सरकार की नीतियों और कथित टालमटोल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

मोइत्रा को सुप्रीम कोर्ट से झटका

स्वतंत्रता सेनानियों ने गोलियां खाईं और आप अंडों से डर रहीं

नई दिल्ली। नफरत फैलाने वाले भाषण के एक मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा को पश्चिम बंगाल पुलिस के समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है और कहा कि स्वतंत्रता सेनानी ने सीने पर गोलियां खाई थीं, लेकिन सांसदों के अंडों से डर लग रहा है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने कहा कि वह उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप नहीं करना चाहते हैं। मोइत्रा के वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि मोइत्रा को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये पुलिस के समक्ष पेश होने का कानूनी अधिकार है। मोइत्रा ने कहा, पहले मुझे धमकियां मिलीं कि मुझ पर अंडे फेंके जाएंगे आदि और दूसरी बार, वास्तव में अंडे फेंके गए।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र से पूछा

आप जंतर-मंतर प्रोटेस्ट स्थल को बंद क्यों नहीं कर देते?

जंतर-मंतर पर विरोध-प्रदर्शन को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से से सवाल किया। हाई कोर्ट ने पूछा कि वह विरोध प्रदर्शनों के लिए

जंतर-मंतर क्षेत्र को बंद करने पर विचार क्यों नहीं कर रही है? जस्टिस अमित महाजन ने कहा कि शहर के बीचोंबीच इस तरह के विरोध प्रदर्शनों के कारण शहर को अनावश्यक रूप से बंधक नहीं बनाया जाना चाहिए। कोर्ट ने पूछा कि आप इसे बंद क्यों नहीं कर देते? मेरे विचार से शहर में ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए, लेकिन यह सरकार का फैसला है।

गुरुग्राम में रात से लगातार हो रही झमाझम बारिश

100 करोड़ के फ्लैट्स वाला गोल्फ कोर्स रोड पानी में डूबा, कई इलाकों में ट्रैफिक जाम

जलभराव से गलियां स्वीमिंग पूल बनीं, बच्चे तैरने लगे

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

यहां दक्षिण-पश्चिम मानसून ने दिल्ली और आसपास के इलाकों में जोरदार दस्तक दी। गुरुग्राम में रात से लगातार हो रही झमाझम बारिश का असर जहां दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेसवे पर देखने को मिला। सबसे पॉश इलाकों में शामिल डीएलएफ सेक्टर-42 स्थित ग्लोबल फोयर मॉल के सामने गोल्फ कोर्स रोड पूरी तरह जलमग्न हो गई।

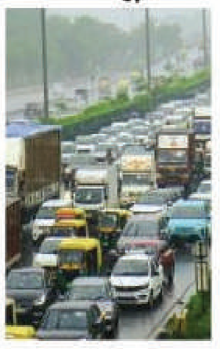

एंबुलेंस फंसी, रेड अलर्ट

कई इलाकों में जलभराव और भीषण ट्रैफिक जाम की समस्या भी खड़ी कर दी। दुर्गा विहार में जलभराव हो गया, जबकि देवली रोड पर भी कई जगह पानी भर गया। महमाया फ्लाईओवर के नीचे जमा गहरे पानी में एक एंबुलेंस फंस गई,रोड स्विमंग पुल बन गई।

कुल्लू में भूस्खलन

कुल्लू। यहा भारी बारिश और भूस्खलन से पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और पत्थर सड़क पर आ गिरे हैं, जिससे यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया है और यात्री जगह-जगह फंस गए हैं।

प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' से पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल का हमला

आज प्रयागराज में कार्यक्रम

एक्स पर किया पोस्ट, सरकार झुकती है बस आवाज एक साथ उठनी चाहिए

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रयागराज में होने वाले

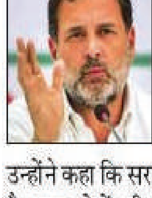

'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से पहले केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार तभी झुकती है, जब लोगों की आवाज एकजुट होकर बुलंद होती है। राहुल का यह बयान पेपर लीक, भर्ती प्रक्रिया में देरी और छात्रों से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार पर उनके लगातार हमलों के बीच है। राहुल 8 अगस्त को प्रयागराज स्थित केपी ग्राउंड में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम से पहले उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि प्रयागराज देश का ऐसा शहर है, जहां बड़ी संख्या में युवा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं।

व्यवस्था ईमानदारी से काम नहीं कर रही

उन्होंने कहा कि छात्रों को अब लगने लगा है कि व्यवस्था ईमानदारी से काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों की मेहनत में कोई कमी नहीं है, बल्कि समस्या उस व्यवस्था की नीयत में है, जो उनकी मेहनत का उचित परिणाम नहीं देती।

डॉ. भागवत के बयान के बाद दीपके ने किया क्रिट्रिक पोस्ट

आलोचकों पर निशाना, 'टू हूम इट मे' कंसर्न लिखा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के छात्र आंदोलनों पर दिए

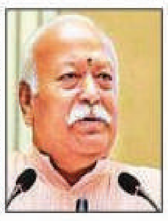

गए बयान के बाद सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आलोचकों पर परोक्ष निशाना साधा है। दीपके ने भागवत के बयान से जुड़ी एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'टू हूम इट मे कंसर्न' (जिन्हें समझना है, वे समझ जाएं)। यह बयान तब आया है जब पेपर लीक, परीक्षा सुधार की मांग को लेकर छात्र आंदोलन पर राजनीतिक बहस जारी है।

प्रियंका वाड्रा ने कसा तंज

युवाओं को आपसे प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने डॉ. भागवत पर निशाना साधा। उन्होंने जेन जी और जेन अल्फा के साथ हुई बातके बाद कहा कि युवाओं को उनसे किसी प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं है।

भाजपा संघ की शरण में पहुंच गई

समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने डॉ.भागवत की बातचीत को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी जब भी खुद को पूरी तरह से घिरी हुई पाती है, तब आरएसएस की ओर रुख करती है। चूंकि भाजपा सरकार को जेनरेशन जेड से चुनौती मिल रही है, तो यह बात आई।

चंद्रशेखर ने यादव से कहा क्या वो सक्षम नहीं थे?

लोकसभा सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने

आरक्षण वाले बयान पर हमला बोला है। आजाद ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जिक्र करते हुए कहा कि आखिर जातिगत जनगणना कब करवा रहे? पुराने सीएम की कुर्सी को गंगा जल से क्यों धुलवाया था? क्या वो सक्षम नहीं थे?

सियासी अटकलों ने जोर पकड़ा

प्रधानमंत्री से मिले बादल तो गठबंधन की चर्चाएं तेज हुईं

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री से मुलाकात

फाइल फोटो

की। इस मुलाकात को अगले साल होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। चर्चा है कि पंजाब में अकाली दल-भाजपा फिर से गठबंधन कर सकते हैं। इससे पहले दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ती रही हैं और पंजाब में सरकार में रही हैं। कृषि कानूनों को लेकर अकाली दल ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था।

अकाली खराब दौर से गुजर रही

अकाली दल कुछ वर्षों में लगातार राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। वरिष्ठ नेताओं का अलग होना, संगठन की कमजोरी और लगातार खराब चुनावी प्रदर्शन उसके लिए बड़ी चुनौती है।2021 में शताब्दी वर्ष पूरा करने वाली पार्टी आज संगठन-जनाधार दोनों स्तर पर कठिन दौर से गुजर रही है।

सीएजी करेगा नगर निगम के विकास कार्यों का जमीनी ऑडिट

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के विकास कार्य अब केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर भी परखे जाएंगे। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के निर्देश पर नगर निगम में नागरिक-केंद्रित अनुपालन लेखा परीक्षा (अर्बन मोबिलिटी ऑडिट) कराई जाएगी। इसके लिए प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा-प्रथम), प्रयागराज ने नगर आयुक्त को पत्र भेजकर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा है। ऑडिट 30 सितंबर से प्रस्तावित है। इसमें वित्तीय वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक नगर निगम द्वारा कराए गए विकास कार्यों और उन पर हुए खर्च की विस्तृत जांच होगी। ऑडिट टीम स्वीकृतियां, डीपीआर, निविदाएं, अनुबंध, भुगतान विवरण और गुणवत्ता नियंत्रण से जुड़े अभिलेखों का परीक्षण करेगी। इस ऑडिट की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह होगी कि जांच केवल दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहेगी।

छुट्टा पशुओं से त्रस्त किसानों ने खुद संभाली कमान, झुंड पकड़कर गौशाला पहुंचाया

गुलालखेड़ा के किसानों का फूटा गुस्सा, बोले- शिकायतों पर कार्रवाई नहीं हुई तो खुद उठाना पड़ा कदम

फसल बचाने की लगाई गुहार

अमन लेखनी समाचार

छुट्टा जानवरों को गौशाला ले जाते किसान

लखनऊ। मलिहाबाद विकासखंड के ग्राम गुलालखेड़ा में छुट्टा पशुओं से लगातार हो रहे फसलों के नुकसान से परेशान किसानों का धैर्य आखिरकार टूट गया। गांव के दर्जनों किसान एकजुट हुए और घंटों मशक्कत के बाद आवारा गोवंश के एक बड़े झुंड को पकड़कर करीब साढ़े तीन किलोमीटर दूर स्थित दौलतपुर गौशाला पहुंचा दिया। किसानों का कहना है कि यह कदम उन्होंने मजबूरी में उठाया है, क्योंकि कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। ग्रामीणों के अनुसार, गांव और आसपास के क्षेत्रों में छुट्टा पशुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। दिन हो या रात, झुंड के झुंड खेतों में घुसकर धान, मक्का और अन्य खरीफ फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। कई किसानों की फसलें पूरी तरह चौपट हो चुकी हैं। इससे उनकी महीनों की मेहनत और हजारों रुपये की लागत पर संकट खड़ा हो गया है। किसान प्रेमचंद, सूरज, अंकित, पुत्तीलाल, कैलाश, जगदीश, प्रदीप, रामविलास, अंश सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि फसल बचाने के लिए उन्हें रातभर खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। इसके बावजूद छुट्टा पशुओं के झुंड खेतों में घुस आते हैं और कुछ ही देर में पूरी फसल नष्ट कर देते हैं। किसानों का कहना है कि खेती करना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन धरातल पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। मजबूरी में किसानों ने स्वयं पहल करते हुए छुट्टा पशुओं को गौशाला पहुंचाया ताकि फसलों को कुछ राहत मिल सके। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि छुट्टा पशुओं को पकड़कर नियमित रूप से गौशालाओं तक पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो वे व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

नदी में मिला मजदूर का शव, परिजनों ने साथियों पर लगाया हत्या का आरोप

अमन लेखनी समाचार

मृतक मुन्नीलाल फाइल – फोटो

लखनऊ। नदी में मछली पकड़ने गए एक मजदूर का शव दूसरे दिन नदी से बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक के परिजनों ने साथियों पर हत्या कर शव नदी में फेंकने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। माल थाना क्षेत्र के वीरपुर निवासी मुन्नीलाल (45) बृहस्पतिवार सुबह गांव के तीन लोगों के साथ कोलवा गांव स्थित गोमती नदी के मंझौवा घाट पर मछली पकड़ने गए थे। देर शाम तक घर न लौटने पर परिवार के लोग इधर-उधर उनकी तलाश में जुट गए जानकारी न होने पर परिजनों ने उनके साथ गए तीन लोगों के घर पहुंचे और उन्होंने बताया कि दोपहर करीब तीन बजे मुन्नीलाल अचानक नदी किनारे से लापता हो गए। काफी तलाश के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिला। शुक्रवार सुबह परिजनों ने माल पुलिस को घटना की लिखित सूचना दी। इसके बाद पुलिस, ग्रामीणों और परिजनों ने नदी में खोजबीन शुरू कराई। तलाश के दौरान ग्रामीण रामचंद्र बांस के सहारे नदी में तलाश कर रहे थे। इसी दौरान बांस किसी वस्तु से टकराया और कुछ ही देर बाद मुन्नीलाल का शव पानी पर उतराने लगा शव बरामद होते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए और परिवार में कोहराम मच गया मृतक की पत्नी गोमती और बड़ी बेटी संध्या ने साथ गए तीनों लोगों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मुन्नीलाल को सुनियोजित तरीके से घर से बुलाकर ले जाया गया और हत्या के बाद शव नदी में फेंक दिया गया। परिजनों का दावा है कि शव के गले और चेहरे पर चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई है। मृतक मुन्नीलाल के परिवार में पत्नी गोमती, दो बेटी संध्या, महक और दो बेटे ऋषभ और रिशू है जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। इस संबंध में माल इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

सांप के डसने से विद्युत कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत

अमन लेखनी समाचार

मृतक संदीप फाइल – फोटो

रोते बिलखते परिजन व अन्य

लखनऊ। सड़क किनारे बाग में झाड़ियों में शौंच के लिए गए बिजली कर्मचारी की सांप के डसने से इलाज के दौरान मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। माल थाना क्षेत्र के सैदापुर निवासी बिजली कर्मचारी संदीप गुप्ता (34) बुधवार शाम को बिजली फॉल्ट की सूचना पर पकरा बाजार गांव पहुंचा था इसी दौरान वह गांव के किनारे एक बाग में झाड़ियों में शौंच के लिए गया था. जहां एक जहरीले सर्प ने उसे डस लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ने पर उसने परिजनों को सूचना दी आनन फानन परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होता देख चिकित्सकों ने उसे बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया। जहां इलाज के अगले दिन बृहस्पतिवार रात को इलाज के दौरान विद्युत कर्मचारी की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शुक्रवार को शव घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने देर शाम उसका अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक संदीप गुप्ता माल विद्युत उपकेंद्र पर बिजली कर्मचारियों के पद पर कार्यरत था। मृतक के परिवार में पिता रूपचंद, पत्नी रानी है. जिनका रो-रो कर बुरा हाल है।

पुलिस को सौंपी जायेगी आईटीएमएस व सेफ सिटी परियोजना

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (एलएससीएल) की 27वीं बोर्ड बैठक में शहर की विभिन्न स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। मंडलायुक्त एवं एलएससीएल के अध्यक्ष विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में हुई बैठक में इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) और सेफ सिटी परियोजना को जल्द पुलिस विभाग को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही हेल्थ एटीएम परियोजना का संचालन दिसंबर 2026 तक बढ़ाने का फैसला किया गया। बैठक में नगर आयुक्त एवं एलएससीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव कुमार ने विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बोर्ड को बताया गया कि अलीगंज सेक्टर-बी स्थित स्मार्ट सिटी के तहत निर्मित अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर एवं सीनियर सिटीजन केयर सेंटर का भवन नगर निगम को हस्तांतरित कर दिया गया है। भवन के प्रथम एवं द्वितीय तल पर नगर निगम के जोन-3 कार्यालय का संचालन शुरू हो चुका है, जबकि भूतल पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए कैरम, शतरंज समेत विभिन्न इनडोर खेलों और मनोरंजन की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। बैठक में शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने वाली आईटीएमएस परियोजना की भी समीक्षा की गई। बोर्ड ने अनुबंधित फर्म को दिए गए तीन माह के समय विस्तार का संज्ञान लेते हुए परियोजना को शीघ्र पुलिस विभाग को हस्तांतरित करने के निर्देश दिए। बोर्ड ने हेल्थ एटीएम परियोजना का संचालन कर रहे एसजीपीजीआई को दिसंबर 2026 तक समय विस्तार देने की मंजूरी दी।

केजीएमयू में मिलेगी अत्याधुनिक एमआरआई जांच की सुविधा

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में मरीजों को जल्द ही अत्याधुनिक एमआरआई जांच की सुविधा मिलेगी। करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश की पहली वेट-बेयरिंग (खड़े होकर जांच करने वाली) एमआरआई मशीन स्थापित की जा रही है। केजीएमयू के प्रवक्ता डा. केके सिंह के अनुसार नयी एमआरआई मशीन लगाने का कार्य शुरू हो गया है। उम्मीद है कि करीब एक महीने में इसका संचालन शुरू कर दिया जाएगा। रेडियोडायग्नोसिस विभागाध्यक्ष डॉ. अनित परिहार का कहना है कि यह उत्तर प्रदेश की पहली वेट-बेयरिंग एमआरआई मशीन होगी। सामान्य एमआरआई में मरीज को लेटाकर जांच की जाती है। जबकि नई तकनीक में मरीज के खड़े रहने की स्थिति में भी स्कैन किया जा सकेगा। इससे शरीर पर वास्तविक भार पड़ने के दौरान हड्डियों, जोड़ों, रीढ़ और विशेष रूप से पैरों से जुड़ी समस्याओं का अधिक सटीक आकलन किया जा सकेगा।

केजीएमयू में पीएच समिट आज

लखनऊ। सीने में दबाव जैसी परेशानी को सामान्य समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। यह पल्मोनरी हाईपरटेंशन जैसी गंभीर बीमारी का शुरूआती संकेत हो सकता है। बीमारी की समय पर पहचान और इलाज से मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। यह जानकारी शुक्रवार को केजीएमयू के पल्मोनरी एंड क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. वेद प्रकाश ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि पल्मोनरी हाईपरटेंशन का पता अक्सर देर से चलता है। क्योंकि शुरूआती लक्षण सामान्य सांस की तकलीफ जैसे लगते हैं। उन्होंने बताया कि इस गंभीर बीमारी को लेकर जागरूकता बढ़ाने और इलाज की नई तकनीकों पर चर्चा के लिए 8 और 9 अगस्त को केजीएमयू में पीएच समिट आयोजित होगी, इसमें देश-विदेश के विशेषज्ञ भाग लेकर पल्मोनरी हाईपरटेंशन के आधुनिक निदान, इलाज और शोध पर मंथन करेंगे।

भाषा विवि में पीएचडी की लिखित परीक्षा आज

अमन लेखनी समाचार

- 17 विषयों में 267 अभ्यर्थी होंगे शामिल

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश परीक्षा का आयोजन 8 अगस्त को किया जाएगा। विश्वविद्यालय के विभिन्न विषयों में पीएचडी प्रवेश के लिए आयोजित इस लिखित परीक्षा में कुल 17 विषयों के अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा के लिए कुल 305 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है, जिनमें से 267 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में सम्मिलित होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार पीएचडी प्रवेश परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से 01:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा का केंद्र विश्वविद्यालय के एकेडमिक ब्लाक में निर्धारित किया गया है। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे प्रवेश परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र पर परीक्षा प्रारंभ होने से कम से कम एक घंटा पूर्व, अर्थात प्रातः 11:00 बजे तक, अनिवार्य रूप से पहुंचें। इससे प्रवेश, पहचान सत्यापन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को समय से पूरा करने में सुविधा होगी और परीक्षा निर्धारित समय पर प्रारंभ की जा सकेगी।

प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रत्येक अभ्यर्थी को अपना एडमिट कार्ड एवं पहचान-पत्र अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत न करने की स्थिति में परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परीक्षा केंद्र पर मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, ईयरफोन सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा केंद्र पर केवल आवश्यक सामग्री एवं निर्धारित दस्तावेजों के साथ ही उपस्थित हों।

स्वस्थ जीवनशैली के लिए छात्राओं को किया जागरूक

लखनऊ। श्री गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज, नाका हिंडोला स्थित नानक सभागार में बाल स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली विषय पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वस्थ आदतों, संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता और समग्र विकास के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में करीब 150 छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. पारुल सोहाने ने बच्चों एवं किशोरों के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. पारुल सोहाने ने विद्यार्थियों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, जंक फूड और शक्करयुक्त पेय पदार्थों से दूरी बनाने तथा मौसमी फल और हरी सब्जियों को भोजन में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने मोबाइल स्क्रीन टाइम कम करने, पर्याप्त नींद लेने और नियमित खेलकूद एवं शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में हैंड हाइजीन पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। छात्राओं को हैंड वॉशिंग तकनीक के माध्यम से सही तरीके से हाथ धोने की जानकारी दी गई। इस दौरान शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, दंत स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक सोच, अनुशासित दिनचर्या और अच्छे संस्कारों के महत्व पर भी चर्चा की गई।

शिवभक्तों पर आज पुष्पवर्षा करेंगे योगी

अमन लेखनी समाचार

- **हिंडन से मेरठ तक कांवड़ मार्ग का हवाई सर्वेक्षण और मोदीपुरम में शिवभक्तों का अभिनंदन करेंगे**

लखनऊ/मेरठ। सावन में शिवमय आस्था के बीच शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरठ में कांवड़ यात्रा में शामिल शिवभक्तों का पुष्पवर्षा से स्वागत करेंगे। मुख्यमंत्री का यह दौरा करोड़ों शिवभक्तों की आस्था के प्रति श्रृद्धा, सम्मान और प्रदेश सरकार की कांवड़ यात्रा को लेकर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री इस दौरे में कांवड़ यात्रा का हवाई सर्वेक्षण करने के साथ ही सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण करेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री हिंडन एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर द्वारा मेरठ पहुंचेंगे। इस दौरान वह हिंडन से मेरठ तक पूरे कांवड़ मार्ग का हवाई सर्वेक्षण कर सुरक्षा, यातायात और अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री मोदीपुरम क्षेत्र स्थित दुल्हैड़ा पुलिस चौकी के निकट बनाए गए मंच से शिवभक्त कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा करेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पुलिस-प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है। कार्यक्रम स्थल पर मंच, बैरिकेडिंग, सुरक्षा घेरा और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। सीएम के आगमन के लिए शोभित विश्वविद्यालय परिसर में हेलिपैड तैयार किया गया है। एलआईयू, एंटी-सबोटाज और बम निरोधक दस्ता लगातार क्षेत्र की जांच कर रहा है, जबकि कांवड़ मार्ग पर अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। शुक्रवार को एडीजी मेरठ जोन भानु भास्कर, डीआईजी कलानिधि नैथानी, डीएम डॉ वीके सिंह, सीडीओ नूपुर गोयल और एसएसपी अविनाश पांडेय ने कार्यक्रम स्थल, हेलिपैड और कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान एसपी सिटी ने ड्रोन कैमरे के माध्यम से मोदीपुरम से रुड़की रोड तक कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं की आवाजाही, यातायात संचालन और सुरक्षा प्रबंधन की निगरानी की। प्रशासन ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। कांवड़ मार्ग पर चिकित्सा शिविर, पेयजल, विश्राम स्थल एवं स्वच्छता बनाए रखने की व्यापक व्यवस्था की गई है। शिवभक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा अपने चरम पर है और प्रतिदिन लाखों शिवभक्त हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री की ओर से कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा को शिवभक्तों के सम्मान और आस्था के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के रूप में देखा जा रहा है।

यूजीसी नियमों को वापस लेने की मांग

लखनऊ। भारत के संविधान का अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार देता है लेकिन आज देश में हर राजनीतिक दल के निशाने पर अगड़ा समाज, खासकर क्षत्रिय वर्ग है। इसको लेकर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित नियमों को वापस लेने की मांग की है। महासभा के वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू ने कहा कि योग्य अभ्यर्थियों को समान अवसर और चयन प्रक्रिया निष्पक्ष होनी चाहिए। इस संबंध में महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी 13 सितंबर को बिहार के मुजफ्फरपुर में आयोजित होगी।

'हर घर तिरंगा अभियान को लेकर हुई बैठक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर स्थित मालवीय सभागार में शुक्रवार को लखनऊ जनपद के समस्त सहयुक्त महाविद्यालयों के प्राचार्यों की अहम एवं उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी की गरिमामयी अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' (09 से 17 अगस्त) तथा 'नशा मुक्त भारत अभियान' को व्यापक जनसहभागिता के साथ सफल एवं प्रभावी बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करना रहा। अधिष्ठात्री छात्र कल्याण प्रो. अमिता कनौजिया ने कहा, डिजिटल पंजीकरण एवं देशभक्ति शपथः विश्वविद्यालय एवं सभी संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और कर्मचारियों को माय भारत पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराने तथा जाकर नशा मुक्ति ऑनलाइन शपथ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है । कुलपति प्रो. जे.पी. सैनी ने कहा 'हर घर तिरंगा' और 'नशा मुक्त भारत' जैसे राष्ट्रीय अभियानों में हमारे विद्यार्थियों की सहभागिता सर्वोपरि रहेगी। नशे का सबसे सॉफ्ट टार्गेट युवा होता है बच्चों को नशा मुक्त भारत का राजदूत बनायें इसके लिए बच्चों से संवाद करना जरुरी है। महाविद्यालय में हर छात्र के लिए एक टीचर मेंटर बनाया जाए। बैठक में स्पष्ट किया गया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी शैक्षिक कैलेंडर का हर हाल में कड़ाई से पालन किया जाएगा और सभी परीक्षाएं निर्धारित समय सीमा के भीतर ही संपन्न कराई जाएंगी। बैठक का कुशल संचालन कुलसचिव डॉ. भावना मिश्रा द्वारा किया गया।

अतिक्रमण, गंदगी व पॉलिथीन के खिलाफ अभियान, 1.11 लाख जुर्माना

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नगर निगम ने शुक्रवार को शहर में अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोन-3, जोन-7 और जोन-8 में की गई कार्रवाई के दौरान कुल 1,11,500 रुपये का जुमार्ना लगाया गया तथा 10.5 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलीथीन जब्त की गई।

जोन-3 में बादशाह नगर स्टेशन से सौमित्र पार्क तक चले अभियान में सड़क और सार्वजनिक स्थानों पर खड़े 20 से 25 वाहनों को हटाया गया। प्रतिबंधित पॉलीथीन के प्रयोग पर 15 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। नगर निगम ने दोबारा अतिक्रमण रोकने के लिए क्षेत्रीय पुलिस से भी सहयोग मांगा है। जोन-7 में मटियारी चौराहे से देवा रोड तक विशेष अभियान चलाकर प्रतिबंधित पॉलिथीन के इस्तेमाल पर 38 हजार रुपये और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने पर 40 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इस क्षेत्र में कुल 78 हजार रुपये का अर्थदंड वसूला गया तथा 8.5 किलोग्राम पॉलिथीन जब्त की गई। अभियान के दौरान दुकानदारों को स्वच्छता और सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक के संबंध में जागरूक भी किया गया। वहीं जोन-8 में बंगला बाजार से तेलीबाग-पीजीआई रोड तक 27 से अधिक दुकानों और प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान गंदगी पाए जाने पर 8,500 रुपये तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक और पॉलीथीन मिलने पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। यहां से करीब 2 किलोग्राम प्रतिबंधित प्लास्टिक भी जब्त की गई।

नगर निगम के अनुसार, तीनों जोनों में एक दिन के अभियान के दौरान कुल 1,11,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि प्रतिबंधित पॉलीथीन के उपयोग, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

संपूर्ण समाधान दिवस में उठीं आवास, गोशाला की शिकायतें

मेयर ने अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण के दिए निर्देश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नगर निगम मुख्यालय में शुक्रवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शहरवासियों ने आवास, गोशाला, जलनिकासी, संपत्ति विवाद और हाउस टैक्स से जुड़ी विभिन्न समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। मेयर सुषमा खर्कवाल ने सभी शिकायतें सुनने के बाद संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। सभी आठ जोनों से विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 214 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें कर विभाग से संबंधित 45 शिकायतों का निस्तारण किया जा सका

निशातगंज स्थित भुइंयन देवी गोशाला की ओर से पंडित शर्मिला महाराज ने आरोप लगाया कि नगर निगम की टीम नौ गायों को जबरन ले गई, जबकि उनके बछड़ों को वहीं छोड़ दिया गया। उन्होंने कार्रवाई के दौरान अभद्रता और ताला तोड़ने का भी आरोप लगाया। मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की गई। पूनम गौड़ ने शिकायत की कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2016 में लॉटरी के माध्यम से आवास आवंटित होने के बावजूद आज तक उन्हें मकान का कब्जा नहीं मिला। उनका कहना था कि हर बार अलग-अलग योजनाओं में आवास स्थानांतरित होने की जानकारी देकर मामला टाल दिया जाता है।

बंगला बाजार निवासी कृष्ण मोहन रावत ने आरोप लगाया कि उनके मकान को अवैध तरीके से तीन बार बेचा गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी के मुकदमे दर्ज हैं और दीवानी न्यायालय से फैसला उनके पक्ष में आने के बावजूद उनकी पत्नी का नाम अब तक अभिलेखों में दर्ज नहीं किया गया है।

चौक क्षेत्र के अशोक कुमार वर्मा ने कटारी टोला और सोंधी टोला में पेयजल लाइन में नाली का पानी मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि इस समस्या से करीब 30 हजार की आबादी प्रभावित है और कई बार शिकायत के बावजूद समाधान नहीं हुआ। शिवपुरम निवासी शकुन्तला ने बताया कि पहले उनके मकान का नगर निगम कर लगभग 300 रुपये आता था, जो अब बढ़कर 2,300 रुपये हो गया है। उन्होंने बिल की जांच कर राहत दिलाने की मांग की। मेयर सुषमा खर्कवाल ने सभी मामलों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए।

सिटी बसों की आय बढ़ाने पर फोकस संचालित रूटों का होगा अध्ययन

- **यात्रियों की जरूरत के अनुसार रूटों में सुधार के निर्देश**

लखनऊ। लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एलसीटीएसएल) के निदेशक मंडल की 51वीं बैठक में सिटी बसों के संचालन, आय और बजट की समीक्षा की गई। मंडलायुक्त एवं कंपनी के अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्देश दिए गए कि यात्रियों की जरूरत और यात्री भार को ध्यान में रखते हुए संचालित बस रूटों का अध्ययन किया जाए तथा आय बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

बैठक में मार्च से जुलाई 2026 तक सिटी बसों के संचालन की समीक्षा करते हुए विभिन्न मार्गों पर बसों के प्रदर्शन और यात्री संख्या का आकलन किया गया। निदेशक मंडल ने कहा कि जिन मार्गों पर आवश्यकता है, वहां संचालन व्यवस्था में सुधार कर बस सेवा को अधिक प्रभावी बनाया जाए।

बोर्ड ने बस सेवा की आय में वृद्धि के लिए वर्तमान रूटों की विस्तृत समीक्षा करने और जरूरत के अनुसार उनमें बदलाव पर विचार करने के निर्देश दिए। साथ ही यात्रियों की सुविधा और वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने पर जोर दिया गया। बैठक में मार्च से जुलाई 2026 की अवधि के बजट और उसके सापेक्ष प्राप्त परिणामों की भी समीक्षा की गई। निदेशक मंडल ने वित्तीय प्रदर्शन को संतोषजनक बताते हुए भविष्य में भी बेहतर संचालन और संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष, नगरीय परिवहन निदेशालय के निदेशक, पुलिस कमिश्नरेट के प्रतिनिधि, एलसीटीएसएल के प्रबंध निदेशक, मुख्य वित्त अधिकारी, प्रबंधक (संचालन), चार्टर्ड अकाउंटेंट, कंपनी सचिव तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षेप

शादी के तीन माह बाद ही महिला ने अपने ससुरालीजनो पर दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बारासगवर थाने में शादी के महज तीन माह बाद ही विवाहिता ने आधा दर्जन ससुरालीजनों पर दहेज एक्ट सहित अन्य गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना बीघापुर के गाँव अकबरपुर निवासिनी तनू पुत्री छोटेलाल ने थाना बारासगवर को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 7 मई 2026 को हिन्दू रीति रिवाज के साथ मनोज निवासी करमी गढेवा के साथ हुई थी। शादी के एक माह बाद से ही पाँच लाख रुपये, चैन, गाड़ी आदि को लेकर मेरे पति मनोज, सास राजकुमारी, जेठ विनोद, जेठानी मोनी, मामी सास सुनीता, व उसकी पुत्री सोनी मांग कर रहे है । उक्त बात को लेकर मेरे पति व सास तथा जेठ ने मेरे साथ गाली गलौज करते हुए व लात घूसे से मार पीट की तथा जान से मारने की धमकी दी तथा शादी में चढ़ाया हुआ सामान वापस ले लिया। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया आधा दर्जन ससुरालीजनो पर दहेज एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है । अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

पहले ही बारिश में खुली नगर पालिका की पोल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर पालिका परिषद कार्यालय भवन की जर्जर छत की समस्या दूर करने के लिए हाल ही में लाखों रुपये खर्च कर आरसीसी छत डलवाई गई थी। उम्मीद जताई जा रही थी कि बरसात के दौरान वर्षों से चली आ रही पानी टपकने की समस्या समाप्त हो जाएगी, लेकिन पहली ही बारिश में दावे खोखले साबित हो गए। बृहस्पतिवार को हुई बारिश के दौरान कार्यालय की छत से कई स्थानों पर पानी टपकता रहा, जिससे कर्मचारियों को अभिलेख और अन्य जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। कार्यालय के विभिन्न कमरों में छत से गिरते पानी के कारण फर्श पर पानी भर गया। कई जगह बाल्टियां और अन्य बर्तन रखकर पानी एकत्र किया गया। कर्मचारियों का कहना है कि नई आरसीसी छत बनने के बावजूद यदि पानी का रिसाव जारी है तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उनका कहना है कि संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्य की जांच कराकर खामियों को तत्काल दूर कराना चाहिए। नगर के लोगों का भी कहना है कि जब नगर पालिका का अपना कार्यालय ही बरसात से सुरक्षित नहीं है, तो अन्य विकास कार्यों की गुणवत्ता पर भी प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी ठेकेदार और संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है, ताकि सरकारी धन का दुरुपयोग न हो और समस्या का स्थायी समाधान हो सके।

गंगा का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ का खतरा गहराया, परियर पहुंचे डीएम-एसपी, तैयारियों का लिया जायजा

अमन लेखनी समाचार

परियर, उन्नाव। लगातार हो रही वर्षा और नरौरा बांध से पानी छोड़े जाने के बाद गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते सदर तहसील के परियर क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों के समीप तक पानी पहुंच गया है। बाढ़ की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है।

शुक्रवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीणा, पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह, अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार गौड़ और सदर उपजिलाधिकारी राजेश विश्वकर्मा ने परियर क्षेत्र का दौरा कर बाढ़ से निपटने की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बाढ़ चौकी, राहत शिविर और संवेदनशील क्षेत्रों का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

प्रशासन ने परियर में बाढ़ चौकी स्थापित कर दी है। जानकी कुंड आश्रम में बनाए गए राहत शिविर का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों ने नावों, राहत सामग्री, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य जरूरी संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही गंगा के जलस्तर पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने के लिए तहसील स्तर पर कई टीमों को सक्रिय किया गया है।

अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार गौड़ और सदर उपजिलाधिकारी राजेश विश्वकर्मा ने लोगों से गंगा किनारे अनावश्यक न जाने, अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल बाढ़ चौकी अथवा प्रशासन को सूचना देने की अपील की।

निरीक्षण के दौरान सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी सफीपुर दीपक यादव, थाना प्रभारी सफीपुर संदीप मिश्रा, परियर चौकी प्रभारी अनिल कुमार राजपूत सहित राजस्व, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

नगर पंचायत को रेल मार्ग से जोड़ने के लिए, राज्यसभा में उठाई गई, मांग

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। जनपद की नगर पंचायत मौरावा को रेल मार्ग से जोड़ने की मांग राज्यसभा में उठाई गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष कुंवर विवेक सेठ के प्रयासों से यह मुद्दा संसद के पटल पर पहुंचा है। इस परियोजना में उन्नाव-पुरवा-मौरावा-लखनऊ रेल लाइन का निर्माण प्रस्तावित है।

हाल ही में, कुंवर विवेक सेठ ने राज्यसभा सांसद संजय सेठ को पत्र लिखकर इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के निर्माण की पुरजोर मांग की थी। कुंवर विवेक सेठ की इस पहल को आगे बढ़ाते हुए, सांसद संजय सेठ ने इस मांग को राज्यसभा में प्रस्तुत किया, जिससे क्षेत्रवासियों में विकास की नई उम्मीद जगी है।

स्थानीय निवासियों का मानना है कि यदि यह रेल लाइन परियोजना साकार होती है, तो इससे न केवल व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे और आवागमन भी सुगम हो जाएगा।

गौरतलब है कि वर्ष 2012-13 में भी तत्कालीन सांसद अन्नू टंडन द्वारा इस रेल लाइन के लिए प्रयास किए गए थे, जिसके तहत सर्वे कार्य भी पूरा हो चुका था। हालांकि, राजनीतिक उदासीनता के कारण यह परियोजना फाइलों में ही दबी रह गई थी। अब कुंवर विवेक सेठ की सक्रियता ने इस अटकी हुई मांग को फिर से चर्चा में ला दिया है ।कुंवर विवेक सेठ केवल रेल लाइन ही नहीं, बल्कि नगर की मूलभूत समस्याओं को दूर करने के लिए भी लगातार प्रयासरत हैं। हाल ही में उनके प्रस्ताव पर राज्यसभा सांसद संजय सेठ ने अपनी निधि से मौरावा-लखनऊ मार्ग पर प्रकाश व्यवस्था (स्ट्रीट लाइट) सुनिश्चित करवाई है, जिससे रात में आवागमन सुरक्षित और आसान हो गया है ।उनकी दूरदर्शिता का ही परिणाम है कि मौरावा को 100 बेड का अस्पताल और एक कंपोजिट विद्यालय के लिए भूमि दान की गई। इससे आज क्षेत्र के गरीब बच्चों और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाएं मिल रही हैं। नगर के प्रबुद्धजनों और व्यापारियों का कहना है कि कुंवर विवेक सेठ के कार्यकाल में मौरावा ने विकास की नई दिशा पकड़ी है। यदि रेल लाइन का सपना साकार होता है, तो मौरावा का निश्चित रूप से कायाकल्प हो जाएगा।

पारिवारिक कलह के चलते युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

औरास, उन्नाव। पारिवारिक कलह के चलते शुक्रवार सुबह युवक को घर के अंदर कमरे में फांसी के फंदे पर झूलता देख परिजनों की चीख निकल गई। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाँच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया

औरास थाना क्षेत्र के हिम्मत खेड़ा गांव निवासी धर्मेंद्र 30वर्ष पुत्र रामसागर शाहजहां पुर में एक देशी शराब के ठेके पर कैंटीन में काम करता था। गुरुवार को वह अपने घर आया था। पारिवारिक कलह के चलते गुरुवार देर रात उसने घर के अंदर कमरे के छत में लगे छल्ले से धोती का फंदा लगाकर फांसी पर झूल गया।शुक्रवार सुबह जब परिजन कमरे के अंदर गए तो उसे फांसी के फंदे पर झूलता हुआ देखकर परिजनों में चीख पुकार मच गई। ग्रामीण व परिजनों के मुताविक धर्मेंद्र शराब पीने का आदी था।परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतरवा कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।युवक की आकस्मिक मौत से पत्नी व परिजन रो रोकर बेहाल थे।मृतक के तीन बेटियां हैं। जो रो रो कर बेहाल थी। थाना प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पीएम रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्यवाही की जाएगी

जन्म दिवस पर जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को फल किया वितरण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। निवर्तमान प्रदेश महामंत्री (भा.ज.पा.) एवं उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य अनूप गुप्ता के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर आज पण्डित उमाशंकर दीक्षित जिला चिकित्सालय, उन्नाव के इमरजेंसी वार्ड एवं अन्य वार्डों में मरीजों एवं उनके परिजनों के बीच सेवा भाव से तीन प्रकार के फल, बिस्कुट, नमकीन एवं फ्रूटी का वितरण किया गया।

यह सेवा कार्यक्रम प्रशान्त सिंह, निवर्तमान जिला सहसंयोजक, सोशल मीडिया, भाजपा उन्नाव के संयोजन में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर उन्नाव नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा ₹भानु भैया₹, निवर्तमान जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा भाजपा उन्नाव, जिला संयोजक सोशल मीडिया जैनेन्द्र कुमार शुक्ला सुरेन्द्र प्रताप सिंह एडवोकेट, वरिष्ठ व्यापारी विशाल गुप्ता आदर्श नगर बूथ अध्यक्ष अखंड प्रताप सिंह सौरभ साहू आशीष चौधरी जी सहित अनेक भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभी उपस्थित जनों ने अनूप गुप्ता के उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं यशस्वी जीवन की कामना करते हुए उनके जन्मोत्सव को सेवा, समर्पण एवं जनकल्याण की भावना के साथ बड़े हर्ष एवं उल्लासपूर्वक मनाया।

ई स्टांप एवं ई कोर्ट फीस सुविधा केंद्र का किया गया शुभारंभ

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। तहसील निबंधन कार्यालय में शुक्रवार को ई-स्टांप एवं ई-कोर्ट फीस सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया गया।इस पहल का उद्देश्य सरकारी और न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और त्वरित बनाना है। सुविधा केंद्र का उद्घाटन उपनिबंधक अनीता कुमारी ने किया।इस केंद्र के माध्यम से नागरिक अब इलेक्ट्रॉनिक रूप से ई-स्टांप पेपर खरीद सकेंगे और अदालती शुल्क का भुगतान कर सकेंगे।इससे स्टांप शुल्क और कोर्ट फीस के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। अभी तक बाहर से स्टांप खरीदने पर अतिरिक शुल्क देना पड़ता था।यह प्रणाली समय की बचत करने के साथ-साथ जनता के लिए सुविधाजनक भी है।उपनिबंधक अनीता कुमारी ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य 10 रुपये से 500 रुपये तक के ई-स्टांप की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करना है।इससे नागरिकों को उनके नजदीकी क्षेत्र में ही स्टांप सेवाएं प्राप्त हो सकेंगी।कार्यक्रम में उपनिबंधक हसनगंज अनीता कुमारी, स्टॉक होल्डिंग से लव त्रिपाठी और आशीष वर्मा सहित विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

रक्षाबंधन पर नन्हीं बहनों का सैनिकों को स्नेह संदेश: रनियामऊ की छात्राओं ने बनाए 51 रक्षासूत्र

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर कंपोजिट विद्यालय रनियामऊ की छात्राओं ने देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के प्रति सम्मान और अपनत्व का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। छात्राओं ने अपने हाथों से 51 रक्षासूत्र तैयार किए, जिन्हें खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से सीमा पर तैनात सैनिकों तक भेजा जाएगा। विद्यालय में छात्राओं ने तिरंगे झंडे बनाकर भी राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।विद्यालय के शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि सैनिक अपने परिवार से दूर रहकर देश की सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं।ऐसे में रक्षाबंधन पर उनके लिए छात्राओं द्वारा रक्षासूत्र तैयार करना केवल एक परंपरा का निर्वहन नहीं, बल्कि उनके त्याग और समर्पण के प्रति सम्मान प्रकट करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक जिम्मेदारी और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करती हैं।छात्राओं अंबिका एवं छाया ने कहा कि सीमा पर तैनात सैनिक भी उनके परिवार के सदस्य जैसे हैं। वे देशवासियों की रक्षा के लिए अपने घर-परिवार और त्योहारों से दूर रहते हैं। इसलिए रक्षाबंधन पर उन्हें बहनों का स्नेह और शुभकामनाएं भेजने के उद्देश्य से उन्होंने अपने हाथों से रक्षासूत्र तैयार किए।

खंड शिक्षा अधिकारी मनींद्र कुमार ने छात्राओं के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है। ऐसे संस्कारपरक कार्यक्रम बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण के साथ उनमें राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध, संवेदनशीलता और सेवा की भावना विकसित करते हैं।

इस अवसर पर अमित तिवारी, देवेंद्र त्रिपाठी, संतोषी देवी, कृपा शंकर, पूनम देवी, अनूप साहू, नीरज, राहुल, राधा देवी एवं सुदेवी सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियानको लेकर जिलाधिकारी ने की अधिकारियों के साथ बैठक

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्रवार को जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में ₹हर घर तिरंगा अभियान₹ के सफल एवं व्यापक आयोजन के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने अभियान की तैयारियों, तिरंगा वितरण, जनजागरूकता गतिविधियों एवं विभागवार कार्ययोजना की समीक्षा की गई। तीन चरणों मे आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम जिसमें प्रथम चरण 6 से 8 अगस्त 2026 द्वितीय चरण 9 अगस्त से 12 अगस्त 2026 तृतीय चरण 13 अगस्त से 15 के आयोजन के संबंध में मुख्य विकास अधिकारी ने जिला अधिकारी महोदय को बिस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि अलग-अलग तिथियों में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान को भव्यता के साथ उत्सव के रूप में जाने के निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा की गांव से लेकर शहर तक राष्ट्रभक्ति गीतों की गूंज रहनी चाहिए । कहा सभी कार्यक्रम भव्यता के साथ आयोजित हो किसी भी स्तर पर लापरवाही ना हो। कहा की 14 अगस्त 2026 को निराला प्रेक्षा ग्रह परिसर में भव्यता के साथ भारत विभाजन विभीषिका प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा इसकी तैयारियां पहले से ही कर लिया जाए। कहा के हर घर तिरंगा अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक रंगोली प्रतियोगिता चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाए । कहा सभी आयोजन जिला स्तर के साथ-साथ ब्लॉक और तहसील स्तर पर आयोजन किया जाए। इससे संबंधित फिल्म डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शन कराया जाए रील स्लोगन प्रभात फेरी वॉल पेंटिंग मैराथन रेस का भी आयोजन किया जाए। कहा उच्च गुणवत्ता के कलाकारों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन भव्यता के साथ कराया जाए। जिलाधिकारी ने अभियान के अंतर्गत प्रत्येक घर, सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों, विद्यालयों, कार्यालयों तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए । जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता एवं जनसहभागिता का प्रतीक है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने तथा अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्यालयों में प्रभात फेरी, जागरूकता रैली, निबंध, चित्रकला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए।

कहां 13 से 15 अगस्त 2026 के मध्य सभी आवासित घरों सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं व्यापारिक प्रतिष्ठानों शहीद स्मारकों अमृतसरों आदि पर ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया जाए। और तिरंगा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए । स्वतंत्रता दिवस के दिन बेसिक एवं माध्यमिक स्कूलों के साथ छात्रों की रैली निकाली जाए रैली के प्रारंभ से पूर्व वंदे मातरम का गायन किया जाए। आंगनबाड़ी केंद्र वृद्ध आश्रम निराश्रित आश्रमों दिव्यांग आश्रमों में कार्यक्रम का आयोजित कर मिष्ठान वितरण किया

संदिग्ध परिस्थितियों में पेड़ की डाल पर लटकता मिला युवक का शव

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में गुरुवार की शाम संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव पेड़ की डाल पर रस्सी के सहारे लटकता हुआ देख ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दी रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे और मृतक की पत्नी को घटना की जानकारी दी जिस पर मृतक की पत्नी ने हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगी घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा बुझा कर शांत कराया और पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया जिस पर मामला शांत हुआ पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। थाना क्षेत्र के अनवर खेडा गांव निवासी मिन्नी लाल उर्फ राजू 32 का शव गांव से पांच सौ मीटर की दूरी पर कुरसठ निवासी सजर के बगीचे में पेड की डाल पर रस्सी के सहारे शव लटक रहा था ग्रामीणों ने घटना की सूचना परिजनों को दी परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी मौके पर थाना प्रभारी प्रदीप सिंह सीओ बांगरमऊ हर्ष मोदी मौके पर पहुंचे तभी ससुराल पक्ष के लोग मृतक की पत्नी सुमन के साथ पहुंचे और मृतक की मां और भाई पर आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे जिन्हें पुलिस ने शांत कराया मृतक के भाई कैलाश का कहना है कि भाई ने घर में रखे सोने चांदी के आभूषण चोरी कर लिए थे जिसकी शिकायत मां शिव कुमारी द्वारा पुलिस से की गयी थी जिस पर पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था लेकिन वह गया नही पत्नी सुमन मायके उदशाह गयी थी इसी बात को लेकर मृतक के ससुराल वालों द्वारा आरोप लगाया जा रहा है मृतक पांच भाइयों और चार बहनों के बीच सबसे छोटा था मृतक पत्नी और बच्चों के साथ चंडीगढ़ में रहता था और कुछ समय पहले ही आया था इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है पीएम रिपोर्ट के आधार पर आगे की बिधिक कारवाई की जायेगी।

युवक ने निगला जहरीला पदार्थ हुई मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। मांखी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने कीटनाशक निगल लिया जिससे थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गयी आटो चालक की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। माखी के मोहल्ला बेलसी निवासी दीपक पुत्र गोकुल 28 के माता पिता की पहले ही मौत हो चुकी है छोटा भाई दिव्यांग है और वह मैनपुरी में बहन के साथ रहता है मृतक आटो चलाता था और अकेले रहता था शुक्रवार को जब वह आटो लेकर नही आया तो साथी आटो चालक ने फोन किया फोन रिसीव नहीं हुआ तो उसके घर पहुंचा जहां वह मृत अवस्था में पड़ा हुआ था और पास ही सल्फास का फटा पैकेट पडा था जिस पर पुलिस को घटना की जानकारी दी मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के बिस्तर पर दो सल्फास के पैकेट और बरामद किए इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक ने किन परिस्थितियों में कीटनाशक निगला यह पता नही चल पाया है क्योंकि वह अकेले रहता था एक खाली पैकेट फटा हुआ पास में मिला जबकि दो पैकेट सही हालत में बिस्तर पर मिले आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है और मृतक के भाई को घटना की जानकारी दी गयी है।

छप्पर में लगी आग पांच बकरियों की जिंदा जलकर मौत

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम इंदामऊ में शुक्रवार सुबह खेत में बने छप्पर में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से उसके नीचे बंधी पांच बकरियां जिंदा जलकर मर गईं। आग से छप्पर के नीचे रखा गृहस्थी का सामान भी पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया। घटना के समय परिवार का कोई सदस्य मौके पर मौजूद नहीं था।जानकारी के अनुसार इंदामऊ निवासी रामवती पत्नी बिंदादीन खेत में बने छप्पर में रहकर खेती-बाड़ी करती हैं। शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे वह बकरियों को छप्पर के नीचे बांधकर धान की रोपाई करने खेत में चली गई थीं। उनके पति मजदूरी पर गए थे, जबकि बच्चे स्कूल गए हुए थे।इसी दौरान अचानक छप्पर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया, जिससे छप्पर के नीचे बंधी पांचों बकरियां जलकर मर गईं। साथ ही घरेलू उपयोग का सामान भी आग की भेंट चढ़ गया।घटना की सूचना मिलने पर क्षेत्रीय लेखपाल अनुराग श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे और क्षति का आकलन किया। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है।एसडीएम आनंद कुमार नायक ने बताया कि लेखपाल की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

जमीन कब्जा पर बनाई अवैध दीवार दर्ज हुआ मुकदमा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। थाना बारा सगवर अन्तर्गत भूमिधरी जमीन पर जबरन कब्जा कर पक्की दीवाल बना लिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीडिता द्वारा तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।मामला दरियाबाद गाँव का है जहाँ की निवासिनी निर्मला देवी यादव ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पति रमेश प्रसाद यादव के नाम कृषि योग्य भूमिधरी जमीन डॉ खेडा मजरे करमी में गाटा संख्या 177 क व 177 ख है।गाटा संख्या 177 क में पक्की दीवाल होने की वजह से चकबंदी दौरान अचक जमीन घोषित हो गयी है।इस जमीन पर पृथ्वीपाल यादव निवासी दरियाबाद ने जबरन कब्जा करके पक्की दीवाल बना लिया है। तथा जानवर आदि बाँधकर गोबर डालते है। 30 जुलाई को मेरे द्वारा मना करने पर हमारे परिवार को जान से मारने की धमकी तथा झूठे मुकदमे मे फसाने की धमकी दी गयी। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। विधिक कार्यवाही की जा रही है।

हाई टेंशन विद्युत लाइन की चपेट से मजदूर की मौत साथी झुलसा

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के पनहन चौराहे पर किराना का सामान उतारते समय हाई टेंशन लाइन की चपेट मे आने से मजदूर की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे मे कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया बिहार थाना क्षेत्र के पनहन चौराहे पर शुक्रवार को समय करीब तीन बजे ट्रक से किराना का सामान उतारने के लिए पिंटू रावत 32 पुत्र सज्जन लाल रावत ट्रक पर चढ़ा। बोरा उतारते समय मजदूर हाई टेंशन लाइन की चपेट मे आ गया जिससे ट्रक मे करेंट फैल गयी जिससे पिंटू गम्भीर रुप से झुलस गया । वहीं साथी दुल्लर निवासी घाटमपुर गम्भीर रुप से घायल हो गया । परिजन दोनों घायलों को पीएचसी पुरवा ले गये । जहां डाक्टर ने पिंटू को मृत घोषित कर दिया ।मृतक दो भाईयों मे बड़ा था जो अविवाहित था । छोटा भाई मोहित व बहन शिल्पा और मां का रो रो कर बेहाल है। वही घायल दुल्लर का इलाज चल रहा है

इस सम्बन्ध मे थाना प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि सूचना पर शव को कब्जे मे कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है।

मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए छ माह से भटक रहा युवक

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पिछले छह माह से सरकारी कार्यालयों के चक्कर काट रहे एक युवक ने ग्राम पंचायत सचिव पर अनावश्यक विलंब करने और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी से शिकायत की है। पीड़ित ने मामले की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित सचिव के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई तथा शीघ्र मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कराने की मांग की है। विकास खंड सफीपुर की ग्राम पंचायत पावा निवासी अमन सिंह पुत्र स्वर्गीय गोविंद सिंह ने जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनके बाबा हरीनाम सिंह का लगभग छह माह पूर्व निधन हो गया था। परिवार को विभिन्न शासकीय एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए मृत्यु प्रमाण पत्र की जरूरत है, लेकिन बार-बार अनुरोध करने के बावजूद अब तक प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया।शिकायतकर्ता का आरोप है कि वह कई बार ग्राम पंचायत सचिव जगन्नाथ मिश्र से मिला, लेकिन हर बार उसे अगले दिन आने की बात कहकर लौटा दिया गया। अमन सिंह का कहना है कि जब उन्होंने हाल ही में दोबारा प्रमाण पत्र जारी करने का अनुरोध किया तो सचिव ने कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कहा, ₹जहां शिकायत करनी हो, कर दो।₹ इससे वह मानसिक रूप से आहत एवं अपमानित महसूस कर रहे हैं।पीड़ित ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए दोषी पाए जाने पर संबंधित ग्राम पंचायत सचिव के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने तथा लंबित मृत्यु प्रमाण पत्र शीघ्र जारी कराने की मांग की है।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया पर जवाबदेही जरूरी

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया केवल संवाद और मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह सूचना, राजनीति, कारोबार और जनमत निर्माण की एक ऐसी ताकत बन चुका है, जिसका प्रभाव समाज के हर वर्ग पर पड़ता है। करोड़ों लोग फेसबुक, इंस्टाग्राम और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली सूचनाओं को सच मानकर आगे बढ़ाते हैं। ऐसे में इन प्लेटफॉर्म पर प्रकाशित या हटाई जाने वाली सामग्री के पीछे काम करने वाली तकनीक और उसके संचालकों की जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। एल्गोरिदम की गलती को जवाबदेही से अलग नहीं किया जा सकता। भारत सरकार और मेटा की ग्लोबल टीम के बीच 5 और 6 अगस्त को होने वाली बैठक इसी लिहाज से महत्वपूर्ण है। केंद्र सरकार ने मेटा के प्रतिनिधियों को तलब कर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल यानी सीएसएएम पर नियंत्रण में कथित चूक, फर्जी और सिंथेटिक एआई कंटेंट तथा बड़े नेताओं के वेरिफाइड अकाउंट्स पर गलत कार्रवाई जैसे गंभीर मुद्दों पर जवाब मांगा है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा कंपनी के अब तक के जवाबों को नाकाफी माना जाना इस बात का संकेत है कि सरकार अब प्लेटफॉर्म की कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था को अधिक गंभीरता से परखना चाहती है। सबसे गंभीर विषय बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री है। यदि किसी प्लेटफॉर्म के विज्ञापन तंत्र या मॉडरेशन सिस्टम से ऐसी सामग्री गुजर जाती है तो इसे सामान्य तकनीकी चूक कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यहां सवाल किसी एक पोस्ट या एक अकाउंट का नहीं, बल्कि उस पूरी व्यवस्था का है जो सामग्री की पहचान, समीक्षा और विज्ञापन को मंजूरी देती है। बच्चों की सुरक्षा के मामले में 'मशीन से गलती हो गई' कोई पर्याप्त जवाब नहीं हो सकता। इसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो का कुछ समय के लिए हटना भी तकनीकी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। यदि मेटा के अनुसार यह तकनीकी त्रुटि थी और बाद में सामग्री बहाल कर दी गई, तो कंपनी को यह स्पष्ट करना चाहिए कि गलती किस स्तर पर हुई और उसे दोबारा रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए। किसी भी आम नागरिक की सामग्री गलत तरीके से हटाना भी अनुचित है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री के आधिकारिक खाते से जुड़ी सामग्री के मामले में पारदर्शिता की अपेक्षा और बढ़ जाती है। कंटेंट हटाने और अकाउंट पर कार्रवाई के स्पष्ट नियम होने चाहिए। डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनी कंटेंट मॉडरेशन व्यवस्था के बारे में अधिक पारदर्शी होना होगा। किस आधार पर कोई पोस्ट हटाई गई, किस स्तर पर उसकी समीक्षा हुई, अपील की क्या व्यवस्था है और गंभीर चूक होने पर जिम्मेदारी किसकी होगी ? ये ऐसे सवाल हैं जिनका स्पष्ट जवाब दिया जाना जरूरी है। विशेष रूप से एआई के बढ़ते इस्तेमाल के दौर में फर्जी और सिंथेटिक कंटेंट की पहचान बड़ी चुनौती बन रही है। ऐसे में केवल मशीनों के भरोसे इस चुनौती का समाधान संभव नहीं होगा। मशीन निर्णय ले सकती है, लेकिन अंतिम जवाबदेही इंसानी व्यवस्था की ही होनी चाहिए। तकनीकी गलती हो सकती है, लेकिन उस गलती को सुधारने, कारण बताने और भविष्य में उसकी पुनरावृत्ति रोकने की जिम्मेदारी कंपनी की होनी चाहिए। सरकार और मेटा को स्पष्ट सुरक्षा मानक, नियमित स्वतंत्र ऑडिट, पारदर्शी मॉडरेशन व्यवस्था और गंभीर चूक पर जवाबदेही की ठोस व्यवस्था निकालनी चाहिए। डिजिटल दुनिया में आजादी और सुरक्षा के बीच संतुलन तभी कायम होगा, जब तकनीक को ताकत मिले, लेकिन जवाबदेही उससे बड़ी रहे।

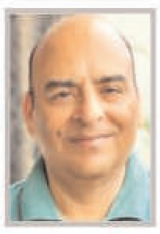

मुद्दा

पंकज चतुर्वेदी

पर्यावरण के विध्वंस पर विकास की मुहर नहीं

विकास की अंधी दौड़ और पर्यावरण संरक्षण के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव के बीच देश के सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक मील का पत्थर साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के उस कार्यालय ज्ञापन को निरस्त कर दिया है, जिसके आधार पर बिना पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शुरू हो चुकी विकास और औद्योगिक परियोजनाओं को बाद में वैध ठहराने का रास्ता बनाया गया था। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति किसी औपचारिक सरकारी मुहर का नाम नहीं, बल्कि एक अनिवार्य कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे किसी प्रशासनिक आदेश के सहारे कमजोर नहीं किया जा सकता।

विकास की अंधी दौड़ और पर्यावरण संरक्षण के बीच लंबे समय से चल रहे टकराव के बीच देश के सर्वोच्च न्यायालय का ताजा फैसला एक मील का पत्थर साबित होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार के उस कार्यालय ज्ञापन को निरस्त कर दिया है, जिसके आधार पर बिना पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति के शुरू हो चुकी विकास और औद्योगिक परियोजनाओं को बाद में वैध ठहराने का रास्ता बनाया गया था। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि पर्यावरणीय स्वीकृति किसी औपचारिक सरकारी मुहर का नाम नहीं, बल्कि एक अनिवार्य कानूनी और वैज्ञानिक प्रक्रिया है, जिसे किसी प्रशासनिक आदेश के सहारे कमजोर नहीं किया जा सकता।

यह निर्णय हमारी न्याय व्यवस्था में पर्यावरण के प्रति बढ़ती संवेदनशीलता का ही नहीं, बल्कि कानून के शासन के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है। इस फैसले ने उस खतरनाक प्रवृत्ति पर गहरी चोट की है जिसमें परियोजनाएं पहले नियमों को ताक पर रखकर शुरू कर दी जाती थीं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के बाद पिछले दरवाजे से कागजी वैधता हासिल कर ली जाती थी। वर्षों से यह देखा जा रहा था कि उद्योग, खनन, सड़क, बिजली और अन्य निर्माण परियोजनाएं बिना समुचित पर्यावरणीय जांच के आरंभ हो जाती थीं। जंगलों की कटाई होती थी, पहाड़ों का सीना चीर दिया जाता था, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव कर दिया जाता था और जब विरोध बढ़ता था या मामला अदालत तक पहुंचता था, तब सरकारें कार्यालय ज्ञापनों और प्रशासनिक आदेशों के माध्यम से इन उल्लंघनों को नियमित करने का प्रयास करती थीं। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पर्यावरण जैसे गंभीर विषय पर ऐसे शॉर्टकट स्वीकार नहीं किए जा सकते। वर्ष 2006 की पर्यावरण प्रभाव आकलन व्यवस्था का मूल उद्देश्य यही था कि किसी भी बड़ी परियोजना के शुरू होने से पहले यह वैज्ञानिक रूप से जांच हो कि उसका जंगलों, जलस्रोतों, वन्य जीवों, खेती और स्थानीय आबादी पर क्या प्रभाव पड़ेगा। यदि संभावित नुकसान सामने आता है तो उसे कम करने के उपाय पहले से तय किए जाएं। यही कारण है कि इसे पूर्व स्वीकृति कहा गया है। यदि परियोजना शुरू होने के बाद अनुमति दी जाएगी तो पूरी प्रक्रिया केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी। जिस जंगल की कटाई हो चुकी हो, जिस नदी का प्रवाह बदल चुका हो या जिस पहाड़ी को खोद दिया गया हो, वहां बाद की स्वीकृति प्रकृति को उसके पुराने स्वरूप में वापस नहीं ला सकती। यह निर्णय केवल पर्यावरण की रक्षा का मामला नहीं है, बल्कि सुशासन और जवाबदेही का भी प्रश्न है। जब नियम तोड़ने के बाद भी वैधता मिलने की संभावना बनी रहती है, तब कानून का सम्मान कम होता है और भ्रष्टाचार के अवसर बढ़ते हैं। परियोजनाओं को बाद में नियमित करने की व्यवस्था प्रशासनिक और राजनीतिक दबावों के लिए भी रास्ता खोल देती है। इससे यह संदेश जाता है कि पहले निर्माण कर लो, बाद में कागजी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएंगी। सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रवृत्ति पर रोक लगाकर यह स्पष्ट कर दिया है कि कानून का पालन पहले होगा और विकास उसके बाद। देश के पर्यावरण पर इस फैसले का दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारत पहले ही जलवायु

परिवर्तन के गंभीर प्रभावों का सामना कर रहा है। कहीं भीषण बाढ़ है, कहीं लंबे सूखे की मार है, कहीं भूस्खलन बढ़ रहे हैं तो कहीं नदियां सिकुड़ रही हैं। हिमालयी राज्यों में अनियोजित निर्माण और अंधाधुंध खनन ने अनेक प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता बढ़ा दी है। पश्चिमी घाट, अरावली, मध्य भारत के वन क्षेत्र और तटीय इलाके भी लगातार दबाव झेल रहे हैं। यदि विकास परियोजनाओं का पर्यावरणीय मूल्यांकन ईमानदारी से पहले किया जाएगा तो अनेक संभावित नुकसान समय रहते रोके जा सकेंगे। इससे केवल प्रकृति ही नहीं बचेगी, बल्कि भविष्य में होने वाले आर्थिक नुकसान और मानवीय त्रासदियों को भी कम किया जा सकेगा।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पक्ष स्थानीय समुदायों के अधिकारों से भी जुड़ा है। बड़ी परियोजनाओं का सबसे अधिक असर आदिवासी, ग्रामीण और वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों पर पड़ता है। उनकी आजीविका जंगल, जल और जमीन पर निर्भर होती है। यदि पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन पहले होगा और लोगों की आपत्तियों तथा सुझावों को गंभीरता से सुना जाएगा तो विकास अधिक न्यायपूर्ण और सहभागी बन सकेगा। लोकतंत्र का अर्थ केवल परियोजनाओं को मंजूरी देना नहीं, बल्कि उनसे प्रभावित लोगों की आवाज को भी महत्व देना है। बेशक, इस निर्णय से कुछ लोगों को यह आशंका हो सकती है कि विकास परियोजनाओं की गति धीमी पड़ जाएगी। यह चिंता पूरी तरह निराधार भी नहीं है। कई परियोजनाएं वर्षों तक फाइलों में अटकी रहती हैं, जबकि कुछ मामलों में बिना पर्याप्त जांच के मंजूरी भी मिल जाती है। इसलिए आवश्यकता केवल सख्ती की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था की भी है जिसमें वैज्ञानिक जांच पूरी गंभीरता से हो और निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्णय लिया जाए। विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना अपने आप में एक बड़ी भूल है। स्वच्छ हवा, सुरक्षित जल, उपजाऊ भूमि और स्वस्थ जंगल किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यदि विकास के नाम पर इन्हें नष्ट कर दिया जाएगा तो भविष्य में बाढ़ नियंत्रण, जल संकट, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन पर कहीं अधिक धन खर्च करना पड़ेगा। इसलिए पर्यावरण संरक्षण विकास का विरोध नहीं, बल्कि टिकाऊ और सुरक्षित विकास की पहली शर्त है। यह भी उल्लेखनीय है कि न्यायालय ने अपने निर्णय को भविष्य में लागू करने का रास्ता अपनाया है ताकि पहले से वैध हो चुकी परियोजनाओं पर अचानक संकट न आ जाए। इससे यह स्पष्ट होता है कि अदालत ने पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक स्थिरता, दोनों के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया है। साथ ही उसने भविष्य के लिए यह स्पष्ट लक्ष्मण रेखा भी खींच दी है कि अब नियमों की अनदेखी कर बाद में वैधता हासिल करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। वास्तव में यह फैसला केवल एक कार्यालय ज्ञापन को रद्द करने का निर्णय नहीं है। यह शासन व्यवस्था, उद्योग जगत और समाज, तीनों के लिए एक स्पष्ट संदेश है कि विकास का रास्ता कानून और प्रकृति के सम्मान से होकर ही जाता है।

भारत को सड़कें, उद्योग, बिजली और आधुनिक आधारभूत ढांचा अवश्य चाहिए, लेकिन वह विकास तभी सार्थक होगा जब आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ नदियां, सुरक्षित जंगल, संतुलित जलवायु और स्वस्थ जीवन भी बचा रहे। सर्वोच्च न्यायालय ने याद दिलाया है कि प्रकृति के नियमों की अनदेखी करके प्राप्त किया गया विकास अंततः विनाश का ही दूसरा नाम होता है। यदि इस निर्णय की भावना को ईमानदारी से लागू किया गया तो यह भारत में विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हो सकता है।

मंथन

ऋतुपर्ण दवे

बड़ा संकेत दे गए तीन राज्यों के चुनाव परिणाम

तीन अगस्त को तीन राज्यों के नतीजे बहुत बड़े संकेत हैं। निश्चित रूप से बिहार का नतीजा जहां सत्ताधारी दल के लिए हैरान और परेशान करने वाला रहा, वहीं मध्यप्रदेश का नतीजा सत्ताधारी दल की अन्दरूनी गुटबाजी का परिणाम रहा। गुजरात में भाजपा की जीत स्वाभाविक कही जा सकती है। सबसे चर्चित जीत रही प्रशान्त किशोर उर्फ पीके की, क्योंकि राज्य की जनता को विकल्प के तौर पर एक नया दल जनसुराज जो मिल गया। पहले बिहार वासियों के पास दो ही विकल्प थे, राजद और भाजपा। राजद से मोहभंग हो गया था और पीके मतदाताओं के बीच अपनी जगह बनाने की कवायद कर रहे थे। हालांकि, बीते विधानसभा चुनाव में उनका एक भी प्रत्याशी नहीं जीता और वो खुद चुनाव में खड़े नहीं हुए। वे बिहार की नब्ज को टटोलते रहे। इसी बीच नितिन नबीन के भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनकी बांकीपुर सीट खाली हुई जो पीके के लिए मौके पर चौका लगाने जैसा रहा। बांकीपुर सीट पटना के शहरी इलाके की है, जिसे शुरू से ही भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता रहा। इस नतीजे ने न केवल यह मिथक तोड़ा बल्कि भाजपा में खलबली मचा दी। माना जा रहा है कि पेपर लीक और परीक्षाओं में धांधलियों के चलते युवाओं की नाराजगी और जंतर-मंतर पर चले लंबे आन्दोलन ने भी भाजपा की छवि पर डेन्ट लगाया। इधर, भाजपा अति आत्मविश्वास में थी और यह समझने में नाकाम रही कि हवा हमेशा एक ही दिशा में नहीं बहती। चंदा चोरी और जेन-जी आन्दोलन के बीच भाजपा ने अपने 40 स्टार प्रचारक उतार दिए। लेकिन राजद के चार सांसद तक बांकीपुर नहीं पहुंचे। इतना ही नहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव तो विदेश चले गए, जिन्होंने आखिर में रोड शो किया। तब तक बांकीपुर के मतदाताओं को यह समझना आसान हो गया कि तेजस्वी यादव और राजद अपने उम्मीदवार को लेकर गंभीर नहीं है। संकेत साफ रहा कि मतदाता को कहीं और शिफ्ट होना था। विकल्प के तौर पर पढ़ा-लिखा, राजनीति को समझने-जानने वाले रणनीतिकार के रूप में पीके का नाम था इसलिए ज्याद सोचने-समझने के बजाए बिहार और देश के हालातों को देखते हुए मतदाताओं ने इस छोटे से चुनाव में बड़ा संदेश दे दिया। भाजपा को नुकसान पहुंचाने में भरत तिवारी एनकाउंटर मामला भी माना जा रहा है। इस एनकाउंटर ने न केवल युवाओं बल्कि खुल कर भाजपा के सवर्ण विरोधी होने को जबरदस्त हवा दी। भाजपा के तमाम जिम्मेदारों और रणनीतिकारों ने भाजपा विरोधी माहौल को थामने और बदलने की कोशिश की, पर यह हो न सका। अंततः जीत भाजपा के हाथ से निकल गई और कई दशकों से भाजपा की परंपरागत कहलाने वाली बांकीपुर और नितिन नबीन के कारण अतिप्रतिष्ठित हुई सीट हाथ से निकल गई। अब बिहार की राजनीति को समझने वाले कह रहे हैं कि पीके भाजपा सरकार, विशेषकर सम्राट चौधरी के लिए सदन के अन्दर भी और बाहर भी मुश्किलें बढ़ाएंगे क्योंकि उनका मकसद सिर्फ विधायकी नहीं बल्कि अपनी पार्टी को बिहार में नया मुकाम देना है। यही स्थिति मध्यप्रदेश के दतिया में रही। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से नरोत्तम मिश्रा की हार के बाद भाजपा के अन्दरूनी हलकों में कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल था। वहां से चुने गए कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी ठहराए जाने और सजा होने के बाद अप्रैल में अयोग्य घोषित कर दिए जाने से हुए उपचुनाव में घनश्याम सिंह ने कांग्रेस से चुनाव लड़कर सीट को बरकरार रखा। लेकिन इसमें सबसे ज्यादा बिना चुनाव लड़े मुश्किल नरोत्तम मिश्रा की हुई। उन्होंने चुनाव से काफी पहले ही प्रचार और जनसंपर्क बढ़ा दिया था, लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें टिकट नहीं मिली। इस कारण यह सीट बहुत ही बड़ी प्रतिष्ठा का कारण बन गई। नरोत्तम मिश्रा की स्थिति न उगल पाने, न निगल पाने जैसी हो गई। यदि यहां से भाजपा जीतती तो उनका राजनीतिक कद घटता और अब कांग्रेस जीत गई है तो भी उनके राजनीतिक भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। लेकिन नरोत्तम मिश्रा की मुसीबतें तो बढ़ीं। कांग्रेस की जीत के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी की संगठन में स्थिति और मजबूत होगी।

सुख के लिए तप की साधना जरूरी

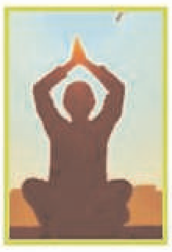

संकलित

दर्शन

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

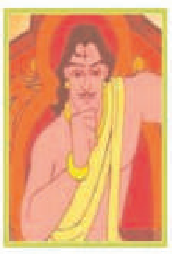

संकलित

प्रेरणा

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। गुरु तो रोज खूब मेहनत करते थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिये। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजिएगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है ? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दियाः राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है... गुरूजी ने कहाः राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है। गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं। बस यही एक कारण है जिससे आपको न तो कोई शिक्षा प्राप्त हो रही है और न ही कोई ज्ञान मिल रहा है। आपके राजा होने के कारण मैं आप से यह बात नहीं कह पा रहा था।

सटाका

आज की पाती

हर मां को मिले सहयोग हर शिशु को मिले पोषण

शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मियों और नीति-निर्माताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरुआत दिलाना है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फोर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन प्राप्त है। इस सप्ताह को मनाने की शुरुआत 1992 में 'वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन' ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। हर मां को सहयोग और हर शिशु को पोषण मिलना ही चाहिए।

– सुनीता देवी, झज्जर

करंट अफेयर

फर्जीवाड़े को लेकर 25 लोगों की अमेरिकी नागरिकता होगी रद्द

अमेरिका में पहचान संबंधी जानकारी में कथित फर्जीवाड़े से लेकर हत्या के प्रयास और बाल यौन शोषण जैसे आरोपों वाले मामलों में भारतीय मूल के एक व्यक्ति सहित 25 लोगों की नागरिकता रद्द की जा रही है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने 65 वर्षीय नरिंदर सिंह के खिलाफ डेलावेयर जिला न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। उन पर अमेरिका में प्रवेश पाने के लिए फर्जी पहचान का सहारा लेने का आरोप है। न्याय मंत्रालय के मुताबिक सिंह ने 1996 में अमेरिका में प्रवेश के लिए गलत पहचान का इस्तेमाल किया और एक मई, 2008 को अमेरिका के नागरिक बन गए।

ऑफ बीट

तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है विटामिन बी6

ऑस्ट्रेलिया के औषधि नियामक ने दावा किया है कि विटामिन बी6 की अत्यधिक मात्रा तंत्रिकाओं को क्षति पहुंचाने सहित ऐसे कई घातक दुष्प्रभाव

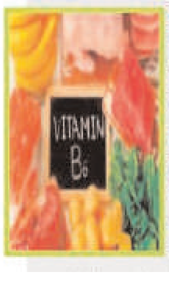

उत्पन्न कर सकती है जो हमारी सोच से कहीं अधिक होंगे। ऑस्ट्रेलिया की दवा नियामक संस्था 'थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन' (टीजीए) ने यह दावा किया है। इस सप्ताह के शुरु में एबीसी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि टीजीए के एक प्रवक्ता के मुताबिक, विटामिन बी6 के दुष्प्रभावों की गंभीरता का अब तक शायद कमतर ही आकलन किया गया था। बहरहाल, सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर, विटामिन बी6 की उच्च मात्रा वाले सप्लीमेंट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा

X ट्रेंड

पाटील का निधन दुःखद

महाराष्ट्र के जाने-माने शिक्षाविद, समाजसेवी व पूर्व राज्यपाल डॉ. डी. वाई. पाटील का निधन दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें व उनके परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

'कवच योजना' को मंजूरी

आज कैबिनेट ने 'कवच योजना' को मंजूरी दी है, जिसके तहत लगभग 5,000 किसानों को नई क्रेडिट सुविधाओं तक पहुंच देकर मुख्यधारा से जोड़ने का फैसला किया गया है। इसके अलावा, विकास और जन-कल्याण से जुड़े अन्य फैसले भी लिए गए हैं।

- डॉ. मोहन यादव, सीएम, मध्यप्रदेश

जनता का शुक्रिया

हम गुजरात के मजलपुर विधानसभा क्षेत्र की जनता का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हैं कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा जताया। इस जीत के लिए हम बीजेपी के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हैं।

- नितिन नवीन, अध्यक्ष, भाजपा

छात्रों का आंदोलन

झारखंड में छात्रों का आंदोलन अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। मैं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से आग्रह करता हूं कि झारखंड के छात्रों के हित में वे तुरंत उनके प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करें। उनकी मांगों के लिए सार्थक कदम उठाएं।

- रघुवर दास, पूर्व सीएम, झारखंड

संक्षेप

प्राथमिक स्कूल में निकला जहरीला कोबरा

अमेठी में 20 मिनट की मशक्कत के बाद रेस्क्यू, टला बड़ा हादसा

अमेठी , गौरीगंज के मॉडल प्राथमिक विद्यालय टिकरिया में मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे एक जहरीला कोबरा सांप निकलने से हड़कंप मच गया। सांप को देखते ही स्कूल में अफरा-तफरी फैल गई। सूचना पर वन विभाग के सर्पमित्र सतीश मौर्य मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद कोबरा को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया, जिसके बाद बच्चों और शिक्षकों ने राहत की सांस ली। यह घटना गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के मॉडल प्राथमिक विद्यालय टिकरिया में हुई। दोपहर करीब 12 बजे पढ़ाई के दौरान अचानक बच्चों की नजर कक्षा के पास निकले सांप पर पड़ी। सांप को देखते ही पूरे विद्यालय में चीख-पुकार मच गई और बच्चे व अध्यापक सहम गए। तत्काल बच्चों को सुरक्षित स्थान पर हटाया गया। विद्यालय प्रशासन ने तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही सर्पमित्र सतीश मौर्य अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लगभग 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद कोबरा को सुरक्षित पकड़ लिया। सांप को पकड़ने के बाद सर्पमित्र उसे एक डिब्बे में रखकर पास के जंगल में छोड़ आए। कोबरा के सुरक्षित पकड़े जाने के बाद ही स्कूल का माहौल सामान्य हो सका। प्रधानाध्यापक ने बताया कि सांप निकलने के बाद सभी बच्चों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। वन विभाग ने स्कूल प्रशासन को सलाह दी है कि बरसात के मौसम में सांप निकलने की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए परिसर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और झाड़ियों को समय-समय पर कटवाते रहें।

दिव्यांग रोजगार अभियान में रोजगार मेला

44 दिव्यांग अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग, 3 को मिला जॉब लेटर

अमेठी ,गौरीगंज स्थित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) परिसर में दिव्यांग रोजगार अभियान के तहत एक रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में कुल 44 दिव्यांग अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 3 को तत्काल जॉब लेटर प्रदान किए गए। यह रोजगार मेला उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और सेवायोजन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) पूजा साहू ने किया। मेले में 3 अभ्यर्थियों को जॉब लेटर दिए जाने के अतिरिक्त, 3 अन्य दिव्यांग अभ्यर्थियों को स्वरोजगार के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत पंजीकृत किया गया। इस अवसर पर जिला समन्वयक, उत्तर प्रदेश कौशल सेवायोजन अधिकारी, जिला मैनेजर सहित मिशन के समस्त बीपीएम और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला समन्वयक/प्रधानाचार्य, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन, शिवाकांत द्विवेदी ने बताया कि ऐसे रोजगार मेलों का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

राहुल गांधी के आने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा

अतीक के बेटे की मौत पर डिप्टी सीएम ने कहा- एक्सीडेंट तो रोज होते रहते हैं

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी के प्रयागराज दौरे और माफिया अतीक अहमद के बेटे आबान की सड़क हादसे में हुई मौत पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के प्रयागराज आने या कहीं भी जाने से प्रदेश की राजनीति और जनता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वहीं आबान की मौत पर उन्होंने कहा- एक्सीडेंट तो रोज होते रहते हैं। प्रयागराज में 8 अगस्त को राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे से पहले मौर्य ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि युवा, किसान, गरीब और महिलाएं भाजपा के साथ हैं। साथ ही अतीक के जेल में बंद बेटों की पैरोल की मांग पर उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह कोर्ट का मामला है।

राहुल गांधी के दौरे पर साधा निशाना

केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी प्रयागराज आएं या देश के किसी भी हिस्से में जाएं, इससे जनता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश का युवा, किसान, गरीब और महिला वर्ग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की नीतियों पर भरोसा जता रहा है।

'भाजपा को किसी से डर नहीं'

कांग्रेस नेताओं की ओर से भाजपा पर राहुल गांधी से डरने के आरोपों को मौर्य ने खारिज किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले भी कई बार प्रयागराज आ चुके हैं, लेकिन कांग्रेस का ₹खाता₹ तक नहीं खुला। उन्होंने कांग्रेस नेता रशीद अल्वी के बजरंग दल पर दिए बयान को भी ₹घटिया₹ बताते हुए कहा कि ऐसे बयानों का जवाब देने की जरूरत नहीं है।

अतीक के बेटे की मौत पर दिया बयानमाफिया अतीक अहमद के बेटे आबान की सड़क दुर्घटना में मौत के सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ₹एक्सीडेंट तो रोज होते रहते हैं।

पैरोल पर बोले- फैसला कोर्ट करेगा

अतीक अहमद के जेल में बंद बेटों की पैरोल की मांग पर मौर्य ने कहा कि यह पूरी तरह न्यायालय का विषय है। उन्होंने कहा कि जिसे भी पैरोल चाहिए, वह कोर्ट जाए और वहीं से निर्णय लिया जाएगा।

8 अगस्त को प्रयागराज आएंगे राहुल गांधी

राहुल गांधी 8 अगस्त को प्रयागराज पहुंचकर छात्रों और युवाओं से संवाद करेंगे।

विजिलेंस ने राजस्व निरीक्षक को रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा

प्रयागराज में विजिलेंस ने पकड़ा तो गिड़गिड़ाए, बोले- हम नहीं हैं भइया

अमन लेखनी समाचार

प्रयागराज , उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) की प्रयागराज सेक्टर टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए हंडिया तहसील में तैनात एक राजस्व निरीक्षक (राजस्व निरीक्षक) और उसके साथ एक प्राइवेट व्यक्ति को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कआरोप है कि जमीन की पैमाइश कराने के बदले रिश्वत मांगी गई थी। ट्रैप कार्रवाई के बाद दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

जमीन की पैमाइश के बदले मांगे थे 10 हजार रुपये

शिकायतकर्ता ने 5 अगस्त को पुलिस अधीक्षक, उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान, प्रयागराज सेक्टर से शिकायत की थी ।बताया कि उसके पिता राजेंद्र प्रताप सिंह की मौजा वारी, परगना एवं तहसील हंडिया स्थित गाटा संख्या 451 की संक्रमणीय भूमि की पैमाइश कराई जानी है। राजस्व निरीक्षक राकेश तिवारी से कई बार अनुरोध करने के बावजूद उन्होंने साफ कहा कि पहले 10 हजार रुपये देने होंगे, तभी जमीन की नाप कराई जाएगी। शिकायत मिलने के बाद सतर्कता अधिष्ठान ने गोपनीय सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने के आरोप सही पाए गए। इसके बाद ट्रैप की योजना बनाई गई।

शास्त्री भवन परिसर में बिछाया गया जाल

शुक्रवार को निरीक्षक औरंगजेब खान के नेतृत्व में गठित विजिलेंस टीम ने हंडिया तहसील परिसर के पास शास्त्री भवन के बरामदे में ट्रैप लगाया। तय योजना के अनुसार शिकायतकर्ता ने आरोपियों को 10 हजार रुपये दिए। जैसे ही रिश्वत की रकम ली गई, पहले से मौजूद विजिलेंस टीम ने तत्काल छापा मारकर दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों में हंडिया तहसील के धनूपुर क्षेत्र में तैनात राजस्व निरीक्षक राकेश तिवारी तथा राजेश कुमार, जो एक निजी व्यक्ति है, शामिल हैं। दोनों को रिश्वत की रकम के साथ गिरफ्तार किया गया।

ऑनर किलिंग के विरोध में हाईवे जाम

युवक का शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन, पुलिस ने बदला रूट

अमन लेखनी समाचार

अमेठी ,लव मैरिज के बाद युवक की हत्या के विरोध में शाम करीब 6:30 बजे परिजनों ने शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। इसके चलते अमेठी-गौरीगंज हाईवे पूरी तरह जाम हो गया। मौके पर आधा दर्जन से अधिक थानों की पुलिस पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास शुरू किया। यातायात प्रभावित होने पर पुलिस ने दूसरे रास्तों से गाड़ियों को निकाला जा रहा है। अंतरजातीय प्रेम विवाह के बाद हुई थी हत्या मामला गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के अमेठी रोड स्थित मानसिंह का पुरवा गांव का है। पुलिस के अनुसार, सोमवार रात इंटरकास्ट लव मैरिज को लेकर हुए विवाद में युवक अंकित की हत्या कर दी गई। मामले में युवक के परिजनों ने आरोप लगाया कि हत्या के दौरान उसके साथ बर्बरता भी की गई। पुलिस ने चार आरोपियों को दबोचा घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद मुख्य आरोपी सुकई यादव को दोपहर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है शव पहुंचते ही भड़का गुस्सा पोस्टमार्टम के बाद मंगलवार शाम जब अंकित का शव उसके घर पहुंचा तो परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने शव को घर के सामने अमेठी-गौरीगंज मार्ग पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गईपुलिस ने डायवर्ट कराया ट्रैफिक हाईवे जाम होने के बाद पुलिस ने यातायात को महिला थाने के पास से गौरीगंज की ओर तथा सैठा चौराहे के पास से अन्य वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया।

युवक की मौत पर पुलिस पर प्रताड़ना का आरोप

शाहजहांपुर में महिलाओं ने पुलिसकर्मियों को धकेला, वाहन पर चप्पलें मारीं

अमन लेखनी समाचार

शाहजहांपुर ,परिजनों ने शव को ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर रोड जाम कर दिया। ट्रैक्टर ट्राली के पास गए दरोगा को महिलाओं ने खींचकर धकेल दिया। फिर दूसरे पुलिसकर्मी ने समझाने की कोशिश की तो महिलाओं ने उनके उपर मारने के लिए चप्पलें उठा लीं ।उसके बाद आक्रोशित महिलाओं ने पुलिस वाहन पर हाथ और चप्पलें मारीं। गुरूवार की रात उमेश का शव खेत में फांसी के फंदे पर लटका मिला था। मरने से पहले उमेश ने भाई को रिकार्डिंग भेजकर मारपीट करने वालों के नाम गिनाये थे। परिजनों का आरोप है कि चोरी का झूठा आरोप होने के बाद भी पुलिस उमेश को चौकी लेकर गई और उसके साथ मारपीट की। जबरन चोरी का जुर्म कबूल करवाया। करीब तीन घंटे तक जाम लगाई गई। एसपी ग्रामीण और स्थानीय विधायक ने मौके पर पहुंचकर समझाने का प्रयास किया। परिजनों ने मारपीट करने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई, सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और आरोपियो के मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग की है। गुरूवार की रात थाना तिलहर क्षेत्र के नवियापुर सतनुआ गांव के रहने वाले उमेश कुमार पर गांव के रहने वाले राममूर्ति ने दो अगस्त को पैनल चोरी करने का आरोप लगाकर तहरीर दी थी। परिजनों का आरोप है कि 3 अगस्त की सुबह उमेश को तिलहर के बिरसिंहपुर पुलिस चौकी पर पुलिस लेकर आई ।वहां पुलिसकर्मियों ने उसके साथ मारपीट कर जबरन चोरी का जुर्म कबूलवाकर पैनल के रुपये वापस करने का दबाव बनाया ।प्रताड़ना से तंग उमेश ने जुर्म कबूल कर लिया। तीन अगस्त की रात करीब नौ बजे पुलिस ने उसको छोड़ दिया था। पांच अगस्त की दोपहर तीन बजे उमेश लापता हो गया। गुरूवार की रात करीब तीन बजे उसका शव खेत में लटका मिला। आरोप है कि गांव के रहने वाले राममूर्ति, अशोक, देवेंद्र, प्रेमचंद्र और सत्यभान पर मारपीट कर उसकी हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज कराई।

आजाद समाज पार्टी के नेता पर एफआईआर दर्ज

आपत्तिजनक पोस्ट से जातीय सौहार्द बिगाड़ने का आरोप, दरोगा की शिकायत पर केस

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर, आजाद समाज पार्टी के एक पदाधिकारी के खिलाफ आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। उन पर धार्मिक और जातीय भावनाओं को भड़काने का आरोप है। यह एफआईआर नगर कोतवाली में दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, कोतवाली नगर में तैनात उपनिरीक्षक जितेंद्र राज ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 2 अगस्त को लंभुआ विधानसभा से आजाद समाज पार्टी के संगठन मंत्री आशीष आजाद ने अपने ट्विटर हैंडल से एक विवादित और अमर्यादित पोस्ट साझा की थी। इस पोस्ट में राम मंदिर और कुछ विशिष्ट जातियों को लेकर अभद्र टिप्पणियां की गई थीं। पुलिस की शिकायत में आरोप है कि ऐसी पोस्ट से समाज में जातीय सौहार्द बिगड़ने, वैमनस्यता फैलने और शांति व्यवस्था भंग होने की गंभीर आशंका उत्पन्न हुई। उपनिरीक्षक जितेंद्र राज की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने आशीष आजाद और उनके समर्थकों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

मेरे पति को मारने वाले चाचा को फांसी हो

रोते हुए बोली लव मैरिज करने वाली पत्नी, लड़की वालों ने आंखें फोड़कर हत्या की थी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी,चर्चित अंकित कश्यप हत्याकांड के तीसरे दिन पत्नी श्वेता यादव ससुराल पहुंचीं। उन्होंने कहा- जैसे मेरे पति की बेरहमी से हत्या की गई, वैसे ही मेरे आरोपी चाचा को भी फांसी दी जाए। पुलिस बाकी आरोपियों को भी एनकाउंटर में मार गिराए। मुझे कानून पर पूरा भरोसा है। अंकित के परिवारवाले मुआवजे और सरकारी नौकरी की मांग को लेकर आज सुबह अमेठी रोड पर शव रखकर प्रदर्शन करने लगे। पुलिस अफसरों ने उन्हें कार्रवाई का भरोसा दिया। हत्या के करीब 40 घंटे बाद युवक के परिवार वाले अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। घटना रात की है, जब बेटी श्वेता की लव मैरिज से गुस्साए परिवारवालों ने दामाद अंकित कश्यप (22) की गला रेतकर हत्या कर दी थी। उसकी आंखें फोड़ने के बाद प्राइवेट पार्ट भी काट दिया था। पूरे मान सिंह के वार्ड नंबर-17 के रहने वाले कल्लू कश्यप के परिवार में पत्नी के अलावा बेटा अंकित कश्यप (22) था। कल्लू के घर से करीब 50 मीटर दूर हौसला यादव का घर है। हौसला की इकलौती बेटी श्वेता का अंकित से अफेयर हो गया था। करीब 3 साल पहले श्वेता को अंकित ने घर से भगाकर लव मैरिज कर ली थी। इसके बाद श्वेता के घरवालों ने बेटी के अपहरण का मुकदमा दर्ज करा दिया था। बाद में पुलिस ने श्वेता और अंकित को बरामद कर लिया था। श्वेता बालिग थी। उसने पति अंकित के साथ रहने की जिद की। इसके बाद दोनों ने घर छोड़ दिया और दिल्ली में जाकर रहने लगे। दिल्ली में अंकित प्राइवेट जॉब करता था। वहीं पर किराए का कमरा लेकर रहता था। अंकित और श्वेता के 2 बेटे हैं।

पाकिस्तान की जेल में बंद अलीगढ़ का युवक

सजा पूरी होने के बाद भी वापसी नहीं, डीएम ने विदेश मंत्रालय को लिखा पत्र

अमन लेखनी समाचार

कोल ,पाकिस्तान की लाहौर सेंट्रल जेल में बंद अलीगढ़ के बादल बाबू की भारत वापसी के लिए जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। सजा पूरी होने के बावजूद उनकी रिहाई और वापसी नहीं होने पर जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने विदेश मंत्रालय को पत्र भेजकर सुरक्षित और शीघ्र भारत वापसी सुनिश्चित कराने का अनुरोध किया है। जिलाधिकारी ने अपने पत्र में बताया कि नगला खिटकारी निवासी कृपाल सिंह ने 3 अगस्त को प्रार्थना पत्र देकर अपने बेटे को पाकिस्तान से वापस लाने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि बादल बाबू बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के पाकिस्तान पहुंच गए थे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर कोर्ट ने जेल की सजा सुनाई थी। दिसंबर 2024 से लाहौर जेल में बंद प्रशासन के अनुसार, विदेश मंत्रालय से मिली जानकारी में बताया गया था कि बादल बाबू को पाकिस्तान की अदालत ने एक वर्ष के कारावास और 5 हजार पाकिस्तानी रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई थी। वह दिसंबर 2024 से लाहौर सेंट्रल जेल में बंद हैं। सजा पूरी होने के बावजूद प्रत्यावर्तन की औपचारिकताएं पूरी नहीं होने से उनकी भारत वापसी अब तक नहीं हो सकी है। बादल बाबू के पिता कृपाल सिंह ने बताया कि 29 जुलाई को उनकी बेटे से व्हाट्सएप पर बातचीत हुई थी। इस दौरान बादल ने अपनी खराब तबीयत और मानसिक परेशानी का जिक्र करते हुए जल्द भारत वापस बुलाने की अपील की थी। परिवार ने केंद्र सरकार से लगाई गुहार कृपाल सिंह ने प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और भारत सरकार से मानवीय आधार पर हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि बेटा अपनी सजा पूरी कर चुका है, इसलिए उसे जल्द से जल्द भारत वापस लाया जाए। जिलाधिकारी की पहल के बाद परिवार को बेटे की वापसी की उम्मीद जगी है। अब परिवार की निगाहें विदेश मंत्रालय और भारत की राजनयिक प्रक्रिया पर टिकी हैं। उनका कहना है कि हर गुजरते दिन के साथ चिंता बढ़ रही है और वे बादल बाबू की सुरक्षित घर वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

पुरानी रंजिश को लेकर पिता पुत्र को लाठी डंडों से पीटा

अमन लेखनी समाचार

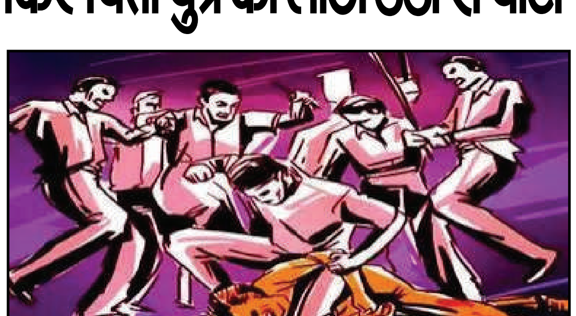

सफीपुर, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के कटियामऊ गांव में सहन की भूमि को लेकर चली आ रही पुरानी रंजिश को लेकर पिता व उसके दो बेटो पर लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सफीपुर में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने पिता और एक पुत्र की गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। कटियामऊ गांव निवासी रामकुमार पुत्र मुंशीलाल ने बताया कि वह अपने दोनों पुत्र देवेंद्र कुमार और जितेंद्र कुमार के साथ दो बाइकों से सफीपुर से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे गांव के पास अपने घर जाने वाले रास्ते पर पहुंचे, वहां पहले से घात लगाए बैठे गांव के रंजीत, अंशु, अनुज, अर्जुन पुत्रगण रामचंद्र, सर्वेश पुत्र शिवप्रसाद, राहुल पुत्र रामसनेही तथा अनूप पुत्र सुरेश सहित अन्य लोगों ने उन्हें रोक लिया और धारदार हथियारों तथा लाठी-डंडों से हमला कर दिया ।हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें तत्काल सीएचसी सफीपुर पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने रामकुमार और देवेंद्र कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया ।पीड़ित रामकुमार के अनुसार सहन की भूमि से होकर निकली आरसीसी सड़क को लेकर वर्ष 2012 से दोनों पक्षों के बीच विवाद चला आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में भी इसी विवाद को लेकर उनके परिवार के साथ मारपीट हुई थी, जिसमें कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया था। उनका कहना है कि उनके सहन में रखे छप्पर का पानी आरसीसी सड़क पर गिरने की शिकायत पुलिस से की गई थी। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने 4 अगस्त को छप्पर हटा लिया था, लेकिन इसके बावजूद पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने हमला कर दिया ।प्रभारी निरीक्षक संदीप मिश्रा ने बताया कि मामले की अगर तहरीर मिलती हैं तो जांच कर उचित कार्यवाही की जाएगी।

एचपीसीएल ने शिकायत सही मानी, कार्रवाई नहीं हुई

उपभोक्ता ने 8 बार भ्रामक रिपोर्ट से निस्तारण का आरोप लगाया

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,एचपी गैस उपभोक्ता प्रदीप कुमार मिश्रा ने अपनी शिकायत के निस्तारण पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि एचपीसीएल द्वारा शिकायत को सही पाए जाने और संबंधित गैस वितरक को कारण बताओ नोटिस जारी करने के बावजूद स्थानीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। प्रदीप मिश्रा के अनुसार, उनकी शिकायत संख्या ए/2026/0067910 पर एचपीसीएल वाराणसी क्षेत्रीय कार्यालय ने 27 मई 2026 को पत्र संख्या श्छफड/उफट/2026-27/0718 के माध्यम से शिकायत को सही पाया था। इसके बाद वितरक मा बाराही गैस सर्विस, मीरपुर, रानीगंज, प्रतापगढ़ को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था ।प्रदीप मिश्रा ने आज करीब 3:00 बजे आरोप लगाया कि प्रतापगढ़ जिला पूर्ति अधिकारी, प्रतापगढ़ ने जनसुनवाई पोर्टल पर लगभग आठ बार ऐसी जांच आख्या लगाकर शिकायतों का निस्तारण कर दिया, जिनमें शिकायत के मूल बिंदुओं पर स्पष्ट जांच या निष्कर्ष नहीं दिया गया था गैस एजेंसी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग मिश्रा ने बताया कि उनकी शिकायत में फर्जी डिलीवरी, डिजिटल रिकॉर्ड में कथित छेड़छाड़, फर्जी पासबुक प्रविष्टि, उपभोक्ता उत्पीड़न और एचपीसीएल द्वारा शिकायत सही पाए जाने जैसे गंभीर बिंदु शामिल थे। उनका दावा है कि इन महत्वपूर्ण बिंदुओं पर स्पष्ट जवाब दिए बिना ही शिकायतों को बंद कर दिया गया।

करंट लगने से दो सगे भाई झुलसे, एक की मौत

बचाने दौड़ा छोटा भाई गंभीर, चारपाई पर उठाकर 1 किमी तक ले गए ग्रामीण

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , रानीगंज थाना क्षेत्र के जामताली दासा चौरा गांव में सुबह करंट लगने से दो सगे भाई गंभीर रूप से झुलस गए। बड़े भाई को बचाने के प्रयास में छोटा भाई भी बिजली की चपेट में आ गया। हादसे में बड़े भाई अनिरुद्ध गौतम (45) की मौत हो गई, जबकि छोटे भाई शशि गौतम (28) का इलाज चल रहा है। घटना सुबह करीब 6 बजे की है। जामताली दासा चौरा गांव निवासी अनिरुद्ध गौतम, पुत्र लाल बहादुर गौतम, घर में लगे इलेक्ट्रिक बोर्ड का स्विच बंद करने पहुंचे थे। जैसे ही उन्होंने स्विच दबाया, वह अचानक करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही तड़पने लगे। अनिरुद्ध को करंट की चपेट में देखकर उनके छोटे भाई शशि गौतम उन्हें बचाने के लिए दौड़े। जैसे ही उन्होंने भाई को छुड़ाने का प्रयास किया, वह भी बिजली की चपेट में आ गए। देखते ही देखते दोनों भाई गंभीर रूप से झुलस गए। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसी तरह बिजली का संपर्क हटाया और दोनों भाइयों को सुरक्षित बाहर निकाला।

सड़क नहीं होने से चारपाई पर उठाकर ले जाना पड़ा

घटना के बाद परिजन और ग्रामीण दोनों घायलों को अस्पताल ले जाना चाहते थे, लेकिन गांव तक पक्की सड़क नहीं होने के कारण एंबुलेंस और अन्य चारपहिया वाहन वहां नहीं पहुंच सके। ऐसे में ग्रामीणों ने दोनों भाइयों को चारपाई पर लिटाया और करीब एक किलोमीटर तक कंधों पर उठाकर मुख्य सड़क तक पहुंचाया। वहां से एक निजी वाहन की मदद से दोनों को रानीगंज ट्रामा सेंटर ले जाया गया ।रानीगंज ट्रामा सेंटर पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद अनिरुद्ध गौतम को मृत घोषित कर दिया। वहीं छोटे भाई शशि गौतम का इलाज जारी है।

संक्षेप

मासूम की कांवड़ यात्रा से लौटते समय मौत

ट्रॉली के नीचे दबकर मौत, पिता के साथ जल चढ़ाने गया था हरिद्वार

बागपत , बड़ौली गांव के नौ वर्षीय मासूम देवांश उर्फ माटू की कांवड़ यात्रा से लौटते समय सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई।मुजफ्फरनगर के छपार क्षेत्र में बुधवार देर शाम देवांश ट्रॉली से नीचे उतरने लगा, तभी उसका पैर ट्रॉली में बंधे एक तार में उलझ गया। संतुलन बिगड़ने से वह सीधे सड़क पर जा गिरा और ट्रॉली का पहिया उसके ऊपर से निकल गया। जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया। जिसके बाद मौके पर मौजूद कांवड़ियों ने उसे तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।इस घटना के बाद से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों ने उसे आराम करने के लिए ट्रॉली में बैठा थापिता सुनील ने बताया कि 29 जुलाई को वे गांव के करीब 25 कांवड़ियों के जत्थे के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली से हरिद्वार रवाना हुए थे। 1 अगस्त को जल उठाकर वापसी की यात्रा शुरू हुई। बुधवार देर शाम जब जत्था मुजफ्फरनगर के छपार इलाके से गुजर रहा था, तब देवांश के पेट में अचानक दर्द उठा। परिजनों ने उसे आराम करने के लिए ट्रॉली में बैठा दिया ।ट्रॉली के पहिए के नीचे दबने से हुई मौतकुछ देर बाद देवांश ट्रॉली से नीचे उतरने लगा, तभी उसका पैर ट्रॉली में बंधे एक तार में उलझ गया। संतुलन बिगड़ने से वह सीधे सड़क पर जा गिरा और ट्रॉली का पहिया उसके ऊपर से निकल गया। साथी कांवड़िये उसे तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दो भाइयों में बड़े देवांश की मौत की खबर मिलते ही उसकी मां अंजू और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। छोटा भाई यश (8 वर्ष) भी इस हादसे से सदमे में है। परिजनों ने बताया कि आगामी 17 अगस्त को देवांश का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन इस दुखद हादसे ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया।

कारीगर विवाद पर दो दुकानदार भिड़े, चार घायल

दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ दी तहरीर, जांच जारी

बागपत , शहर के राष्ट्र वंदना चौक पर बुधवार को कारीगर के विवाद को लेकर दो दुकानदारों में झड़प हो गई। इस घटना में चार लोग घायल हुए, जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागपत में भर्ती कराया गया है। दोनों पक्षों ने कोतवाली बागपत में एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है। मिठाई दुकानदार उदयवीर ने आरोप लगाया है कि उनकी दुकान पर काम करने वाले कारीगर को लेकर दूसरे दुकानदार संटी और उसके साथियों ने गाली-गलौज की। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट की गई और धमकी भी दी गई। उदयवीर के अनुसार, उन पर गर्म बखर फेंका गया, जिससे वे झुलस गए। इस झड़प में उनके भाई सत्यवीर और बेटे भानू को भी चोटें आई हैं। वहीं, दूसरे पक्ष के दुकानदार संटी ने सभी आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि विवाद की शुरूआत सामने वाले पक्ष ने की थी। संटी के मुताबिक, कारीगर को लेकर पहले गाली-गलौज की गई और फिर उनके साथ मारपीट की गई, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायल सभी लोगों का मेडिकल परीक्षण भी कराया है। कोतवाली बागपत पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों से तहरीर प्राप्त हो गई हैं।

4.77 क्विंटल काली मिर्च सीज

बिना लाइसेंस के हो रहा था कारोबार; हानिकारक रंग मिलाने की आशंका

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर , मिलावटखोरी के विरोध में अभियान जारी है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने तिवारीपुर थाना क्षेत्र में एक गोदाम पर छापा मारकर 4.77 क्विंटल साबुत काली मिर्च सीज कर दिया है। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 3.4 लाख है। इस काली मिर्च में हानिकारक रंग मिलाने की आशंका है।

सैंपल लेकिर विभाग ने जांच के लिए भेज दिया है।खाद्य सुरक्षा विभाग को यह जानकारी मिली थी कि तिवारीपुर क्षेत्र में कुछ लोग मिलावट का धंधा कर रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर टीम थाना क्षेत्र के मोहनलालपुर नाले के पास स्थित गोदाम पहुंची थी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुधीर कुमर राय के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण कुमार मिश्र, नागेंद्र एवं नरेंद्र गोदाम की औचक जांच के लिए पहुंचे। वहां साबुत काली मिर्च रखी थी। मौके पर प्रतिष्ठान के विक्रेता नीरज कुमार मद्धेशिया पुत्र दानी प्रसाद उपस्थित मिले। उनसे जब लाइसेंस मांगा गया तो वह परिसर का कोई लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सके।

आटा, मैदा के नमूने लिए

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने जिले में आटा, मैदा और अन्य खाद्य पदार्थों की शुद्धता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए गुरुवार को विशेष अभियान चलाया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुधीर कुमार राय और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की संयुक्त टीम ने जिले की विभिन्न तहसीलों में सघन निरीक्षण किया। इस दौरान विभिन्न फ्लोर मिलों और उद्योगों का निरीक्षण कर जांच के लिए खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। निरीक्षण के दौरान सेठी फ्लोर मिल से आटे का एक नमूना, सुयश इंडस्ट्रीज से मैदे का एक नमूना तथा कैंपियरगंज स्थित जेपी इंडस्ट्रीज से आटे के दो नमूने संग्रहित किए गए। सभी नमूनों को परीक्षण के लिए राज्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

रेलवे ओवरब्रिज के विरोध में प्रदर्शन

जनसुनवाई और डीपीआर सार्वजनिक करने की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

देवरिया , प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के निर्माण को लेकर शुक्रवार दोपहर भीखमपुर रोड, रामगुलाम टोला और रेलवे स्टेशन रोड क्षेत्र के नागरिकों, व्यापारियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर परियोजना पर जनसुनवाई कराने, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) सार्वजनिक करने और प्रस्तावित डिजाइन व स्थान पर पुनर्विचार की मांग की ।ज्ञापन में कहा गया कि स्थानीय लोग रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण के विरोधी नहीं हैं, लेकिन प्रस्तावित स्थान और डिजाइन पर आपत्ति है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि रेलवे स्टेशन रोड पहले से ही संकरी है और यहां रेलवे स्टेशन, ऑटो स्टैंड, विद्यालय तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के कारण दिनभर भारी यातायात रहता है। यदि ओवरब्रिज की एंट्री और एग्जिट इसी क्षेत्र में बनाई गई तो जाम की समस्या और गंभीर हो सकती है ।प्रदूषण बढ़ने और अस्पतालों पर असर की आशंकाप्रदर्शनकारियों ने कहा कि मालगोदाम क्षेत्र पहले से ही वायु और ध्वनि प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा है। उनका कहना है कि ओवरब्रिज बनने के बाद वाहनों की संख्या और ट्रैफिक जाम बढ़ने से प्रदूषण का स्तर और बढ़ेगा, जिसका असर आसपास के अस्पतालों, मेडिकल कॉलेज, स्कूलों और रिहायशी क्षेत्रों पर पड़ेगा ।दुकानों और रोजगार पर संकट की चिंताव्यापारियों ने आशंका जताई कि प्रस्तावित परियोजना से कई दुकानें प्रभावित हो सकती हैं।

यूनिवर्सिटी की तीसरी मंजिल से कूदी बीटेक छात्रा

परिजनों ने लगाया मानसिक उत्पीड़न का आरोप, रीढ़-पैर में चोट

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बीटेक सेकंड ईयर की छात्रा ने तीसरी मंजिल से छलांग लगाकर जान देने की कोशिश की। गंभीर रूप से घायल छात्रा का अस्पताल में इलाज चल रहा है। परिजनों ने परीक्षा के दौरान हुई एक घटना के बाद कॉलेज प्रशासन और परीक्षा निरीक्षक पर मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। घटना के दौराला थाना क्षेत्र की है परिजनों का कहना है कि 29 जुलाई को हुई परीक्षा में उत्तर पुस्तिका का एक पन्ना गलती से फट गया था। इसके बाद छात्रा पर नकल का आरोप लगाया गया। मामले की जांच का आश्वासन मिलने के बावजूद कई दिनों तक सुनवाई नहीं हुई, जिससे वह लगातार मानसिक तनाव में रही। परीक्षा के दौरान लगा नकल का आरोपपरिजनों के अनुसार, परीक्षा के दौरान उत्तर पुस्तिका का एक पन्ना गलती से फट गया। परीक्षा कक्ष में मौजूद निरीक्षक ने इसे नकल का मामला मानते हुए उत्तर पुस्तिका सील कर जांच के लिए भेज दी। इसके बाद छात्रा ने विभाग के शिक्षकों और डीन से अपनी बात रखी। उसे बताया गया कि मामले की जांच के लिए समिति बनाई जाएगी और अभिभावकों के साथ बुलाकर पक्ष सुना जाएगा, लेकिन कई दिन बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। रीढ़ में फ्रैक्चर, पैर और सिर में भी चोटघटना में छात्रा की रीढ़ की हड्डी (एल-3) में फ्रैक्चर हुआ है।

इसके अलावा पैर, हाथ और सिर में भी चोटें आई हैं। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. ध्रुव राज चिकारा ने बताया कि छात्रा की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर है, लेकिन फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर है।

15 साल फर्जी दस्तावेज पर की मेट की नौकरी

मेरठ में जांच में पुष्टि होने के बाद समाप्त की गई सेवा, रिकवरी के लिए शुरू होगी प्रक्रिया

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , विकास प्राधिकरण ने फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्र के आधार पर नौकरी पाने के दोषी पाए गए मेट ऋषिपाल सिंह को सेवा से बर्खास्त कर दिया है। लंबे समय तक चली विभागीय जांच में उनके हाईस्कूल के दस्तावेज पूरी तरह फर्जी पाए गए। इसके बाद उपाध्यक्ष संजय कुमार मीणा ने उत्तर प्रदेश सरकारी सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियमावली-1999 के तहत उन्हें सेवा से हटाने का आदेश जारी कर दिया। अब विभाग उनके द्वारा प्राप्त वेतन और अन्य वित्तीय लाभों की रिकवरी की तैयारी भी कर रहा है। शिकायत के बाद शुरू हुई जांच छिलोरा के इस्लामाबाद निवासी सूर्य प्रकाश उर्फ शेरा जाट ने 29 सितंबर 2025 को मंडलायुक्त से शिकायत कर आरोप लगाया था कि ऋषिपाल सिंह ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नौकरी हासिल की है। शिकायत पर मंडलायुक्त ने को जांच के निर्देश दिए।स्कूल और बोर्ड ने दस्तावेज बताए फजीजांच में सामने आया कि 7 जनवरी 2011 को स्थायी नियुक्ति के समय ऋषिपाल सिंह ने वर्ष 1989 का हाईस्कूल अंकपत्र और जन्म प्रमाणपत्र जमा किया था। उन्होंने दावा किया था कि उन्होंने एएस इंटर कॉलेज, मवाना से हाईस्कूल पास किया है ।जब ने विद्यालय और माध्यमिक शिक्षा परिषद से सत्यापन कराया तो पता चला कि दिए गए अनुक्रमांक और अंकपत्र के आधार पर वर्ष 1989 में ऋषिपाल सिंह नाम का कोई परीक्षार्थी दर्ज ही नहीं था। क्षेत्रीय कार्यालय ने भी दस्तावेजों को पूरी तरह कूटरचित और फर्जी घोषित कर दिया ।मानव संपदा पोर्टल ने भी खोली पोल जांच में यह भी सामने आया कि मानव संपदा पोर्टल और कंप्यूटर प्रशिक्षण के रिकॉर्ड में भी ऋषिपाल ने स्वयं को हाईस्कूल उत्तीर्ण दशार्या था। उन्होंने यूपी बोर्ड से 57 प्रतिशत अंकों के साथ हाईस्कूल पास होने की जानकारी दर्ज कराई थी। स्पष्टीकरण में बदलते रहे बयानविभाग की ओर से नोटिस मिलने पर ऋषिपाल सिंह ने पहले दावा किया कि उन्होंने केवल कक्षा-8 पास होने की जानकारी दी थी। बाद में कहा कि उन्होंने हाईस्कूल का प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि जूनियर हाईस्कूल की टीसी जमा की थी। उन्होंने यह भी कहा कि मानव संपदा पोर्टल पर शैक्षणिक जानकारी किसी अन्य व्यक्ति ने दर्ज की थी।

हालांकि जांच में उनके दावों की पुष्टि नहीं हो सकी।

7 महीने में 486 साइबर अपराधी गिरफ्तार

84.40 करोड़ की ऑनलाइन ठगी, पुलिस ने 37.28 करोड़ फ्रीज कराए

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , जोन में बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने इस साल बड़े स्तर पर कार्रवाई की है।1 जनवरी से 31 जुलाई 2026 के बीच 486 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इसी अवधि में ऑनलाइन ठगी से जुड़े 25,220 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें पीड़ितों से 84.40 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई। पुलिस और साइबर टीमों ने बैंकों व अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय कर कार्रवाई करते हुए ठगी गई रकम में से 37.28 करोड़ रुपए समय रहते विभिन्न बैंक खातों में फ्रीज करा दिए। इससे करीब 44.30 प्रतिशत रकम अपराधियों तक पहुंचने से पहले ही रोक ली गई।

19,888 शिकायतें वित्तीय साइबर अपराध की

राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 25,220 शिकायतों में से 19,888 शिकायतें वित्तीय साइबर अपराध से संबंधित थीं। इन मामलों में पीड़ितों से कुल 84.40 करोड़ रुपए की ऑनलाइन ठगी की गई। साइबर पुलिस ने शिकायत मिलते ही संबंधित बैंकों और एजेंसियों से समन्वय कर तेजी से कार्रवाई की, जिसके चलते बड़ी रकम को फ्रीज कराया जा सका।

1.41 करोड़ रुपए पीड़ितों को लौटाए

मेरठ जोन के एडीजी भानु भास्कर ने बताया कि साइबर अपराधों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान फ्रीज कराई गई धनराशि में से 1.41 करोड़ रुपए पीड़ितों के खातों में वापस भी कराए गए हैं, जिससे कई लोगों को राहत मिली है। साइबर अपराधियों और उनके नेटवर्क के खिलाफ विशेष संयुक्त अभियान 'ऑपरेशन साइवज्र' चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत राज्यभर में साइबर गिरोहों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

ऑपरेशन साइवज्र के तहत अब तक 170 से अधिक मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

रोड एक्सीडेंट में 3 कावड़ियों की मौत

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा, तीनों झज्जर के रहने वाले थे

अमन लेखनी समाचार

मोदीनगर, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गांव कलछीना के पास एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार तीन कांवड़ियों की मौत हो गई। तीनों हरियाणा के झज्जर से हरिद्वार कांवड़ लेने जा रहे थे। हादसा सुबह करीब 5 बजे हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस अब एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। एक ही बाइक पर सवार थे तीनोंमृतकों की पहचान 45 वर्षीय ज्ञानप्रकाश, 35 वर्षीय राजकुमार और 22 वर्षीय प्रदीप के रूप में हुई है। तीनों हरियाणा के झज्जर जिले के रहने वाले थे और एक ही बाइक से हरिद्वार जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक, गांव कलछीना के पास पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ओवरटेक करने के दौरान उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों करीब 10 फीट दूर जाकर गिरे। बाइक भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

हादसे की सूचना मिलते ही पेट्रोलिंग टीम और भोजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों घायलों को तत्काल स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

कांवड़ियां उमड़े, दिल्ली रोड भी हुआ वनवे

बढ़ा जाम, एक ही रास्ते पर दोनों तरफ दौड़ रहीं गाड़ियां

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , कांवड़ यात्रा अब अपने चरम की ओर बढ़ रही है। कांवड़ मार्ग पर शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ने के बाद प्रशासन ने नेशनल हाईवे-58 के साथ अब शहर के भीतर भी ट्रैफिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव कर दिया है। पूरे दिल्ली रोड को वनवे कर दिया गया, जिससे हरिद्वार से लौट रहे कांवड़ियों के लिए एक तरफ का रास्ता पूरी तरह आरक्षित कर दिया गया है। वनवे व्यवस्था लागू होने के बाद शहर में कई जगह जाम जैसे हालात बनने लगे हैं। पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की अतिरिक्त ड्यूटी लगाई गई है। अधिकारियों का कहना है कि गुरुवार को कांवड़ियों की संख्या और बढ़ने की संभावना है, इसलिए शहर के अंदर भी ट्रैफिक नियमों में और सख्ती की जा सकती है। 48 घंटे में तेजी से बढ़ी कांवड़ियों की संख्या पिछले 48 घंटे में कांवड़ मार्ग पर शिवभक्तों की संख्या में अचानक बढ़ोतरी हुई है। इसके चलते सबसे पहले शिवाया टोल प्लाजा से मोदीपुरम चौराहा और फिर मोदीपुरम तिराहा से केंट चौराहे तक वनवे व्यवस्था लागू की गई। भीड़ और बढ़ने पर दिल्ली रोड को भी वनवे कर दिया गया।

एक ही रास्ते पर दोनों तरफ दौड़ रहे वाहन

शाम टैंक चौराहे से बेगमपुल और फिर बेगमपुल से परतापुर बाईपास तक एक तरफ का ट्रैफिक बंद कर दिया गया। इस मार्ग पर बड़ी संख्या में कलश कांवड़ लेकर लौटते श्रद्धालु दिखाई दिए। दूसरी ओर के रास्ते पर दोनों दिशाओं के वाहनों की आवाजाही कराई जा रही है, जिससे ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया है।

आज शहर के अंदर और सख्ती संभव

ट्रैफिक पुलिस का मानना है कि कांवड़ियों की संख्या और बढ़ सकती है। इसे देखते हुए बेगमपुल से शहर के अंदर होते हुए हापुड़ और गढ़मुक्तेश्वर जाने वाले मार्ग पर भी वनवे व्यवस्था सख्ती से लागू की जा सकती है। इसके लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती और नए ड्यूटी प्वाइंट तैयार किए गए हैं।

सिवाया और काशी टोल हो सकते हैं टोल फ्री

सिवाया और काशी टोल प्लाजा पर भी कांवड़ियों की भारी भीड़ जुट रही है। दिन के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु टोल के आसपास पेड़ों की छांव में आराम करते नजर आ रहे हैं। फिलहाल हरिद्वार जाने वाले मार्ग पर टोल वसूला जा रहा है, जबकि हरिद्वार से लौटने वाले मार्ग पर पहले से टोल फ्री व्यवस्था लागू है। प्रशासन रात से दोनों टोल प्लाजा को पूरी तरह टोल फ्री करने पर फैसला ले सकता है ।एसपी ट्रैफिक ने क्या कहा ? एसपीट्रैफिक राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कांवड़ मार्ग पर अचानक भीड़ बढ़ने की वजह से कुछ रास्तों पर तय समय से पहले वनवे व्यवस्था लागू करनी पड़ी।

बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट कर 22 लाख ठगे

मनी लॉड्रिंग-मानव तस्करी का दिखाया डर, आरटीजीएस से पैसा कराया ट्रांसफर

अमन लेखनी समाचार

नोएडा , साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट कर एक बुजुर्ग से 22 लाख रुपये की ठगी कर ली। खुद को मुंबई साइबर विभाग का आईपीएस अधिकारी बताने वाले ठगों ने पीड़ित को मनी लॉन्ड्रिंग और मानव तस्करी जैसे गंभीर मामलों में फंसाने की धमकी दी। इसके बाद सरकारी जांच के नाम पर बैंक खाते में रकम जमा कराने के लिए दबाव बनाया। डर और मानसिक दबाव में आए पीड़ित ने आरटीजीएस के माध्यम से 22 लाख रुपये ठगों के बताए खाते में ट्रांसफर कर दिए। बाद में ठगी का अहसास होने पर उन्होंने मंगलवार को साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आईपीएस अधिकारी बनकर किया फोन सेक्टर-37 निवासी करियामपुझा वर्गीज रप्पई ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 31 जुलाई 2026 को उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को मुंबई साइबर डिपार्टमेंट का आईपीएस अधिकारी गौतम बताया। उसने कहा- आधार और पहचान का दुरुपयोग कर श्री कुमार नाम के व्यक्ति के नाम पर बैंक खाता खोला गया है। खाते का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग, मानव तस्करी और अन्य गैरकानूनी काम के लिए हो रहा है।

चांदी व्यापारी से लूट का खुलासा

1.38 करोड़ का माल बरामद, 5 आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

गौतम बुद्ध नगर,ग्रेटर नोएडा की थाना बीटा-2 पुलिस, एसओजी ग्रेटर नोएडा और थाना ईकोटेक-1 की संयुक्त टीम ने चांदी व्यापारी से हुई लूट की वारदात का खुलासा किया है। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से लूटा गया पूरा माल बरामद कर लिया है। बरामद माल में भारी मात्रा में सोना और चांदी शामिल है। डीसीपी ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम ने बताया कि 4/5 अगस्त 2026 की रात बीटा-2 थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक चांदी व्यापारी से लूट हुई थी। बदमाशों ने व्यापारी से सोने की अंगूठियां, चांदी के बिस्कुट और अन्य सामान लूट लिया था। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश दोनों पीड़ितों को छोड़कर मौके से फरार हो गए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने खुलासे के लिए पांच टीमें गठित की थीं। जांच के दौरान पुलिस ने करीब 2000 सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक एवं भौतिक साक्ष्यों और सर्विलांस की मदद ली, जिससे आरोपियों की पहचान कर उन तक पहुंचा जा सका पुलिस ने अंकुर, अमित, रोहित, बसंत, हिमांशु और कमलकांत नामक आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बरामद माल में लगभग 635 ग्राम चांदी के आभूषण शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 1 करोड़ 38 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, घटना में प्रयुक्त एक बिना नंबर प्लेट की कार भी पुलिस ने बरामद की है।

नोएडा एयरपोर्ट से खरीदे लड्डुओं में मिली फफूंद

यात्री ने सोशल मीडिया पर की शिकायत, कार्रवाई और रिफंड की मांग

अमन लेखनी समाचार

जेवर, ग्रेटर नोएडा स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर मिठाई की गुणवत्ता को लेकर शिकायत सामने आई है। एक यात्री का आरोप है कि एयरपोर्ट परिसर की दुकान से खरीदे गए लड्डुओं में फफूंद लगी मिली। इसके बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर विक्रेता के खिलाफ कार्रवाई और पैसे वापस दिलाने की मांग की। बुधवार को यह मामला सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना रहा। यात्री स्वप्निल गांधी के मुताबिक, उन्होंने दोपहर करीब 2 बजे एयरपोर्ट परिसर में स्थित लाल स्वीट्स से घी, ड्राई फ्रूट्स और बूंदी के लड्डुओं का पैकेट खरीदा था। घर पहुंचकर पैकेट खोला तो उसमें से बदबू आ रही थी। उनका दावा है कि आधे से ज्यादा लड्डुओं पर फफूंद लगी थी, जिससे मिठाई खाने लायक नहीं बची थी। 799 रुपए का था मिठाई का पैकेटस्वप्निल गांधी ने बताया कि मिठाई के पैकेट पर पैकिंग की तारीख 6 जून और एक्सपायरी 6 अगस्त दर्ज थी। पैकेट का अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) 799 रुपए लिखा था। यात्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के आधिकारिक हैंडल को टैग करते हुए शिकायत दर्ज कराई।

तमंचा और कारतूस के साथ वांछित आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

पचदेवरा (हरदोई)। थाना पचदेवरा पुलिस ने एक अभियोग में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध देशी तमंचा (.315 बोर) तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार 4 अगस्त 2026 को ग्राम पिपरिया निवासी बाबा रामसागर गिरी पुत्र श्रीकृष्ण राजपूत की तहरीर पर थाना पचदेवरा में मुकदमा अपराध संख्या 164/2026, धारा 115(2), 352, 351(3) बीएनएस एवं 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने वांछित अभियुक्त अतुल उर्फ नन्हे (22 वर्ष), निवासी ग्राम पिपरिया, थाना पचदेवरा को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध देशी तमंचा (.315 बोर) और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

तिरंगे में लिपटकर गांव पहुंचा हरदोई का लाल

पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई; परिजनों ने उठाए मौत पर सवाल

अमन लेखनी समाचार

हरदोई। मणिपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में जान गंवाने वाले सीआरपीएफ की 112वीं बटालियन के जवान विनीत सिंह (37) का शुक्रवार को उनके पैतृक गांव पुरवा बाजीराव (मजरा जरौआ) में पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर गांव पहुंचते ही शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था, जबकि ग्रामीणों ने नम आंखों से अपने वीर सपूत को अंतिम सलामी दी। सुबह करीब 11:30 बजे हत्याहरण तीर्थ स्थल के समीप उनका अंतिम संस्कार किया गया। बड़े भाई अनिल सिंह ने मुखाग्नि दी। इस दौरान सीआरपीएफ के अधिकारी एवं जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले बृहस्पतिवार देर रात पार्थिव शरीर लखनऊ पहुंचा, जहां बुद्धेश्वर चौराहे

पर पत्नी नेहा सिंह और अन्य परिजनों ने शव वाहन रोककर विरोध जताया। परिजनों ने जवान की मौत की परिस्थितियों पर गंभीर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच, दोबारा पोस्टमार्टम तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। पत्नी नेहा सिंह का कहना है कि विनीत के सीने में तीन गोलियां लगने की बात सामने आई है। उन्होंने सवाल उठाया कि कोई व्यक्ति स्वयं को तीन गोलियां कैसे मार सकता है। उनका आरोप है कि विनीत पिछले तीन-चार दिनों से बुखार और पेट दर्द से पीड़ित थे, इसके बावजूद उनसे लगातार ड्यूटी कराई जा रही थी। अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिए जाने के बाद परिजन शांत हुए। उल्लेखनीय है कि 5 अगस्त को मणिपुर के मोतबंग स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में विनीत सिंह को गोली लगने की सूचना मिली थी। आधिकारिक स्तर पर इसे निजी हथियार से आत्महत्या का मामला बताया गया है, जबकि परिवार इस दावे पर सवाल उठा रहा है। वर्ष 2009 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए विनीत सिंह का हाल ही में जम्मू-कश्मीर से मणिपुर तबादला हुआ था। अंतिम संस्कार के दौरान लखनऊ की 93वीं बटालियन के असिस्टेंट कमांडेंट आर.के. त्रिपाठी अपनी प्लाटून के साथ मौजूद रहे। उन्होंने मृतक की पत्नी को अंतिम संस्कार के लिए एक लाख रुपये की सहायता राशि भी प्रदान की। इस अवसर पर पिता देशराज सिंह, पत्नी नेहा सिंह, 12 वर्षीय पुत्र रुद्र प्रताप, भाई सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। अब सभी की निगाहें जांच के निष्कर्ष पर टिकी हैं कि जवान की मौत की वास्तविक परिस्थितियां क्या थीं।

नदी, जल एवं पर्यावरण संरक्षण विषयक कार्यशाला आयोजित

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिला गंगा समिति, सोनभद्र के तत्वावधान में राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, राबर्ट्सगंज में ₹नदी, जल एवं पर्यावरण संरक्षण₹ विषय पर कार्यशाला, संवाद एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं विद्यार्थियों में जल, नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु जनसहभागिता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का आयोजन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के व्याख्याता श्याम नारायण कुशवाहा द्वारा प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। महाविद्यालय के शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अपने संबोधन में प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार ने विद्यार्थियों को जल, नदी एवं पर्यावरण संरक्षण के

प्रति जागरूक रहकर प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा अधिकाधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों, विशेषज्ञों एवं पर्यावरणविदों ने नदी संरक्षण, जल संसाधन प्रबंधन, जैव विविधता, वृक्षारोपण, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए तथा विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित किया। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता अमित गौरव, जिला गंगा समिति के जिला परियोजना अधिकारी महेंद्र कुमार गौतम, श्रीमती कविता यादव (सोशल एक्टिविस्ट), कैमूर वन्यजीव प्रभाग के फॉरेस्टर यादवेंद्र मिश्रा एवं वाइल्डलाइफ गार्ड अभिनीत सिंह, सोनभद्र वन प्रभाग, राबर्ट्सगंज रेंज के वन दरोगा चंदन सिंह एवं फॉरेस्टर बबुआ यादव, जिला पर्यावरण समिति के प्रमोद (एनवायरनमेंटलिस्ट), नगर पालिका परिषद के संत कुमार एवं पवन कुमार (अर्बन कोऑर्डिनेटर), माई भारत (ट इँ१३) के प्रतिनिधि अनमोल सोनी एवं राहुल, जिला गंगा समिति के गंगा वॉलंटियर अभिषेक यादव सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने जल एवं पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल देते हुए युवाओं से पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया।

खास समाचार

मत्स्य विभाग की विभिन्न योजनाओं में ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी अब 10 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन

मत्स्य पालकों, महिलाओं, युवाओं एवं उद्यमियों से समय रहते आवेदन करने की अपील

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अगस्त, 2026 कर दी गई है। सहायक निदेशक मत्स्य, शुभम कश्यप ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम स्थापना योजना, उत्तर प्रदेश मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं, अंतदेर्शीय खारे जल क्षेत्रों में नवीन तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश योजना, उत्तर प्रदेश मोती संवर्धन योजना तथा विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजनाओं का विस्तृत विवरण, इकाई लागत, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक अभिलेख एवं दिशा-निर्देश विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध हैं। जनपद के मत्स्य पालकों, मत्स्य कृषकों, महिला स्वयं सहायता समूहों, युवाओं एवं इच्छुक उद्यमियों से अपील की गई है कि वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना समय से अपना आवेदन अवश्य करें। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, विकास भवन, सोनभद्र अथवा मत्स्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश के हेल्पलाइन नंबर 0522-2740270 पर संपर्क कर सकते हैं।

18 अगस्त तक होगा निःशुल्क राशन का वितरण, पात्र कार्डधारक समय से उठाएं लाभ

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि आयुक्त, खाद्य एवं रसद विभाग, उत्तर प्रदेश के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम2013 के अंतर्गत माह अगस्त 2026 का निःशुल्क खाद्यान्न वितरण 18 अगस्त 2026 तक उचित दर की दुकानों के माध्यम से किया जाएगा। अंत्योदय कार्डधारकों को प्रति कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न (10 किलोग्राम गेहूं एवं 25 किलोग्राम चावल) तथा पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 किलोग्राम खाद्यान्न (01 किलोग्राम गेहूं एवं 04 किलोग्राम चावल) निःशुल्क वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिन कार्डधारकों का किसी कारणवश बायोमेट्रिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है, वे मोबाइल ओटीपी सत्यापन के माध्यम से भी निर्धारित अवधि में खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं। वितरण की अंतिम तिथि 18 अगस्त 2026 निर्धारित है। जिला पूर्ति अधिकारी ने सभी राशन कार्डधारकों से अपील की है कि जिन परिवार के सदस्यों की ई-केवाईसी अभी तक नहीं हुई है, वे शीघ्र ही अपनी उचित दर की दुकान पर जाकर ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूर्ण कराएं, ताकि भविष्य में खाद्यान्न प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राजकीय छात्रावासों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ

शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु पात्र छात्र-छात्राएं निर्धारित अवधि में करें आवेदन।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया ने अवगत कराया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित राजकीय छात्रावासों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। शासनादेश के क्रम में छात्र-छात्राओं के प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जनपद सोनभद्र में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य वर्ग के पात्र छात्र-छात्राओं के लिए संचालित राजकीय छात्रावासों में प्रवेश ऑनलाइन आवेदन के माध्यम से किया जाएगा।

भुगतान ठप होने से ग्राम पंचायतों के विकास कार्य प्रभावित

अमन लेखनी समाचार

डाला सोनभद्र। विकास खंड चोपन की ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों और पूर्व में कराए गए कार्यों के भुगतान में हो रही देरी को लेकर प्रधान संघ की अध्यक्षता में ग्राम प्रधान प्रशासकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भुगतान लंबित रहने से विकास कार्य प्रभावित होने और ग्रामीणों को हो रही परेशानियों पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया गया। प्रधान प्रशासकों ने बताया कि हैंडपंप मरम्मत, सोलर वाटर पम्प की मरम्मत, नालियों की सफाई, मिस्त्रियों और मजदूरों के भुगतान समेत कई आवश्यक कार्य भुगतान के अभाव में बाधित हैं। इसका सीधा असर ग्रामीणों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं पर पड़ रहा है। बैठक में मौजूद प्रधानों ने कहा कि ग्राम प्रधानों को प्रशासक का दायित्व संभाले लगभग दो माह हो चुके हैं, लेकिन अब तक पूर्व में कराए गए विकास कार्यों का भुगतान नहीं हो सका है। इस संबंध में सहायक विकास अधिकारी

(पंचायत) से वार्ता करने पर उन्होंने भुगतान जिला स्तर पर लंबित होने की जानकारी दी। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी ग्राम प्रधान जिला मुख्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी से मुलाकात करेंगे और ग्राम पंचायतों की वास्तविक स्थिति से अवगत कराएंगे। प्रधानों ने चेतावनी दी कि यदि इसके बाद भी भुगतान की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो सभी प्रधान प्रशासक सामूहिक रूप से अपना डोंगल प्रशासन को सौंप देंगे। प्रधानों का कहना है कि भुगतान बाधित रहने से ग्राम पंचायतों में आवश्यक विकास कार्य ठप पड़ रहे हैं और जनता की रोजमर्रा की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र भुगतान सुनिश्चित कर ग्रामीण हित में विकास कार्यों को गति देने की मांग की। उपस्थित प्रधान राम सजीवन यादव, तारा देवी, पकौड़ी, सुमन , राम नगीना, कन्हाई, सुनीता देवी, अखिलेश, लगभग दो दर्जन प्रधान मौजूद रहे।

बीजपुर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत 8.50 लाख मूल्य का ट्रक वाहन किया जब्त

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही एवं अपराध से अर्जित अवैध सम्पत्तियों की जब्ती/कुर्की हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ऋषभ रुणवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी विनय प्रभाकर साहनी के कुशल नेतृत्व में थाना बीजपुर पुलिस द्वारा बड़ी कार्यवाही करते हुए गैंगस्टर एक्ट के अभियुक्त से संबंधित 8.50 लाख मूल्य के ट्रक वाहन को धारा 14(1) उ0प्र0 गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम के तहत जब्त/कुर्क किया गया। थाना बभनी पर पंजीकृत मु0अ0सं0-

100/2026 धारा 3(1) उ0प्र0 गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम से संबंधित अभियुक्त मनोज यादव पुत्र राम अवतार यादव निवासी कटघरा, थाना मधुबन, जनपद मऊ के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियुक्त वर्तमान में संबंधित मुकदमे में जिला कारागार गुरमा, सोनभद्र में निरुद्ध है। जिलाधिकारी, जनपद सोनभद्र के आदेश दिनांक 28.07.2026 के अनुपालन में अन्तर्गत धारा 14(1) उ0प्र0 गैंगस्टर एक्ट के तहत थाना बीजपुर पुलिस द्वारा दिनांक 05.08.2026 को अभियुक्त से संबंधित 01 अदद ट्रक वाहन संख्या वढ64ळ5150, जिसकी अनुमानित कीमत 8,50,000/- (आठ लाख पचास हजार रुपये) है, को नियमानुसार जब्त/कुर्क किया गया। जब्त/कुर्क वाहन को आवश्यक कार्यवाही के उपरान्त थाना बभनी परिसर में सुरक्षित खड़ा कराया गया है।

जलाभिषेक के दौरान शिवलिंग पर दिखी ॐ जैसी आकृति, श्रद्धालुओं ने माना शिव कृपा का दिव्य संकेत

सावन में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानन्द गिरी जी महाराज के रुद्राभिषेक के दौरान दिखा अद्भुत दृश्य, भक्तों में उत्साह और आध्यात्मिक अनुभूति।

अमन लेखनी समाचार

हरिद्वार। सावन मास में भगवान शिव की आराधना और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व माना जाता है। इसी पावन अवसर पर हरिद्वार स्थित दक्षिण काली मंदिर में आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानन्द गिरी जी महाराज द्वारा भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया जा रहा था। इसी दौरान उपस्थित श्रद्धालुओं का ध्यान शिवलिंग पर बनी एक ऐसी आकृति की ओर गया, जो उन्हें ॐ के समान प्रतीत हुई। इस दृश्य को देखकर श्रद्धालुओं में गहरी आस्था और आध्यात्मिक भाव जागृत हुआ। भक्तों ने इसे भगवान शिव की कृपा और शुभ संकेत के रूप में अनुभव किया।

रुद्राभिषेक के दौरान मंत्रोच्चार, जलाभिषेक और भगवान शिव की आराधना के बीच शिवलिंग पर ॐ जैसी आकृति दिखाई देने की चर्चा श्रद्धालुओं के बीच तेजी से फैल गई। अनेक भक्तों ने इसे अपने लिए एक

विशेष आध्यात्मिक अनुभव बताया। उनके अनुसार सावन के पवित्र मास में भगवान शिव के रुद्राभिषेक के दौरान इस प्रकार की आकृति का दिखाई देना उनके मन में श्रद्धा, विश्वास और भक्ति को और गहरा करने वाला अनुभव रहा।

सनातन परंपरा में ॐ का विशेष महत्व

सनातन धर्म में ॐ को केवल एक अक्षर नहीं, बल्कि आदि नाद और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक माना जाता है। उपनिषदों में ॐ को ब्रह्म के स्वरूप से जोड़ा गया है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में प्रणव के रूप में इसकी विशेष महत्ता है। भगवान शिव की उपासना में भी ॐ का जप और महामृत्युंजय मंत्र सहित विभिन्न शिव मंत्रों में इसका प्रयोग विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। इसी कारण श्रद्धालुओं के लिए शिवलिंग पर ॐ जैसी आकृति का दिखाई देना भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण अनुभव बन गया। भक्त इसे भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था और साधना से जोड़कर देख रहे हैं

रुद्राभिषेक केवल अनुष्ठान नहीं, आत्मशुद्धि की साधना

सनातन परंपरा में रुद्राभिषेक को भगवान शिव की आराधना का अत्यंत पवित्र विधान माना गया है। जल, दूध, पंचामृत सहित विभिन्न द्रव्यों से शिवलिंग का अभिषेक करते हुए मंत्रोच्चार किया जाता है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि रुद्राभिषेक के माध्यम से मनुष्य अपने भीतर के नकारात्मक भावों को दूर कर शांति, संयम और सकारात्मकता की ओर बढ़ता है। रुद्राभिषेक का वास्तविक उद्देश्य केवल भगवान शिव को जल अर्पित करना नहीं, बल्कि मन, वचन और कर्म की शुद्धि तथा आत्मिक अनुशासन की दिशा में आगे बढ़ना भी माना जाता है।

गुरुकुल में शुरू हुई पीएनजी पाइपलाइन सेवा एलपीजी मुक्त बना पूरा परिसर

पीएनजी रेगुलेटरी बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अनिल कुमार जैन ने किया शुभारम्भ।

प्राकृतिक खेती एवं स्वच्छ ऊर्जा को बताया भविष्य की आवश्यकता।

अमन लेखनी समाचार

कुरुक्षेत्र। गुरुकुल कुरुक्षेत्र ने ऊर्जा संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पूरे परिसर को एलपीजी मुक्त बना दिया है। गुरुकुल परिसर में मैस, छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, चिकित्सालय सहित सभी प्रमुख भवनों में पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) पाइपलाइन का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसका विधिवत शुभारम्भ पीएनजी रेगुलेटरी बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अनिल कुमार जैन ने किया। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपालश्री के ओएसडी डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार, गुरुकुल के व्यवस्थापक रामनिवास आर्य, लेफ्टिनेंट कर्नल कुमार अभिषेक, सीईओ वी.एस. चक्रवर्ती, अवनीत घनारा, अमन पंजेटा और साहिल भारद्वाज भी मौजूद रहे। समारोह का शुभारम्भ वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। गुरुकुल पहुँचने पर डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार ने डॉ. अनिल कुमार जैन का पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने अतिथि को गुरुकुल परिसर का भ्रमण कराया तथा विद्यालय, एनडीए विंग, आर्ष महाविद्यालय, अत्याधुनिक गोशाला, पौधशाला, प्राकृतिक चिकित्सालय एवं अन्य परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। डॉ. जैन ने गुरुकुल में शिक्षा, संस्कार स्वावलम्बन और प्रकृति आधारित जीवनशैली के समन्वित मॉडल की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से गुरुकुल के संरक्षक एवं गुजरात के राज्यपालश्री आचार्य देवव्रत जी द्वारा संचालित प्राकृतिक खेती अभियान की प्रशंसा करते हुए इसे देश के लिए प्रेरणादायी बताया। पीएनजी रेगुलेटरी बोर्ड के चेयरमैन डॉ. अनिल कुमार जैन ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा ही विकसित भारत की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि आज देश ऊर्जा के क्षेत्र में तीव्र गति से परिवर्तन की ओर अग्रसर है और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा, ₹पीएनजी न केवल सुरक्षित, सुविधाजनक और किफायती ऊर्जा का स्रोत है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिस प्रकार प्राकृतिक खेती धरती, जल और मानव स्वास्थ्य की रक्षा करती है, उसी प्रकार स्वच्छ ईंधन के रूप में पीएनजी प्रदूषण कम करने और सतत विकास को गति देने का कार्य करती है।₹ डॉ. जैन ने कहा कि आने वाले वर्षों में देश के अधिक से अधिक घर, संस्थान और औद्योगिक इकाइयाँ पीएनजी से जुड़ेंगी। उन्होंने गुरुकुल द्वारा एलपीजी से पीएनजी की ओर किया गया यह परिवर्तन दूरदर्शी एवं अनुकरणीय कदम बताते हुए कहा कि ऐसे संस्थान समाज को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से ऊर्जा संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा पर्यावरण संरक्षण को अपने जीवन का संकल्प बनाने का आह्वान किया समारोह के अंत में डॉ. राजेन्द्र विद्यालंकार एवं रामनिवास आर्य ने डॉ. अनिल कुमार जैन को स्मृति-चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। उपस्थित सभी अतिथियों ने गुरुकुल द्वारा स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण- अनुकूल ऊर्जा व्यवस्था अपनाने की इस पहल की सराहना करते हुए इसे अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

ओएसआर प्रशिक्षण का शुभारंभ, ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने पर दिया गया जोर

अमन लेखनी समाचार

शाहाबाद (हरदोई)। ब्लॉक मुख्यालय स्थित सभागार में गुरुवार को खंड विकास अधिकारी दिनेश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता में ओएसआर (ऑन सोर्स रेवेन्यू) विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रशिक्षण के दौरान एडीओ पंचायत नितांत रस्तोगी ने कहा कि ओएसआर योजना का उद्देश्य ग्राम पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने बताया कि पंचायतों द्वारा अपने संसाधनों से अर्जित राजस्व का प्रभावी प्रबंधन कर ग्रामीण विकास कार्यों को गति दी जा सकती है। खंड विकास अधिकारी दिनेश चंद्र शर्मा ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक ग्राम पंचायत को अपने आय के स्रोत बढ़ाने होंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को मजबूती मिल सके। उन्होंने सभी पंचायत सचिवों एवं कर्मचारियों को ओएसआर योजना के निर्धारित मानकों का पूरी निष्ठा से पालन करने तथा ग्रामीणों को भी इसके प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्र के समस्त ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत सहायक एवं ब्लॉक स्तरीय कर्मचारी उपस्थित रहे। मिशन शक्ति के तहत महिलाओं को किया जागरूक, एंटी रोमियो अभियान में संदिग्धों की हुई जांच माधौगंज (हरदोई)। पुलिस द्वारा शुक्रवार को एंटी रोमियो ऑपरेशन 'मजनू' एवं मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत कस्बा माधौगंज में जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इसके बाद पुलिस टीम ने कस्बा माधौगंज, सराफा बाजार तथा स्कूलों के आसपास एंटी रोमियो अभियान चलाकर संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की और उनसे पूछताछ की। साथ ही लोगों को साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय बताते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी। पुलिस टीम ने महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1090, 1098, 1076, 112 एवं 108 की उपयोगिता बताते हुए आवश्यकता पड़ने पर इनका इस्तेमाल करने की अपील की। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान महिला आरक्षी रीता कुमारी, महिला आरक्षी उपासना कुमारी सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

पंचायत सहायक/अकाउंटेंट-कम-डाटा एंट्री ऑपरेटर के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरू

9 अगस्त से 23 अगस्त तक किए जा सकेंगे आवेदन, ग्राम पंचायतवार जारी हुई समय-सारिणी।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण ने अवगत कराया है कि जनपद की सहायक/अकाउंटेंट-कम-डाटा एंट्री ऑपरेटर के रिक्त पदों पर चयन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विकास खण्ड रावर्टसगंज के ग्राम पंचायत कूरा, कैंथी, शिवखरी, जिगना, अरौली, देवरी, विकास खण्ड कोन देवाटन, विकास खण्ड घोरावल बहेरी, कड़िया, खुटहां, कोहरथा, मधका, मुक्खा, पिड़रियां, सोतिल, विकास खण्ड दुद्धी के ड्याढ़ी, कटौंधी, विकास खण्ड भलपरी, विकास खण्ड म्योरपुर के शिशवा में रिक्त पद है। इच्छुक अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। 09 अगस्त 2026 से 23 अगस्त 2026 तक संबंधित ग्राम पंचायत, विकास खंड कार्यालय अथवा जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में आवेदन पत्र प्राप्त किए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों की मेरिट सूची तैयार करने, आपत्तियों के निस्तारण, अंतिम चयन सूची प्रकाशित करने तथा ग्राम पंचायतों द्वारा चयनित अभ्यर्थियों के अनुमोदन की कार्रवाई निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार पूर्ण की जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को निर्धारित अर्हताओं एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ आवेदन प्रस्तुत करना होगा। चयन प्रक्रिया पूर्णतः शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराई जाएगी।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक– श्रीमती अखिलेश सिंह
समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह
समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।
मो. – 9838159555, 9935457982
E-mail address amanlekhaninews@gmail.com

रोचक जानकारी / शिखर चंद जैन

बरसात के मौसम में आसमान में उमड़ते-घुमड़ते, घड़घड़ाते बादल, तरह-तरह की आकृति में दिखते बादल हम सभी को खूब आकर्षित करते हैं, मोहित करते हैं। ये बादल इस तरह अलग-अलग रूपों में क्यों घुमड़ते हैं, शोर मचाते हैं? जानो, बादल की एक प्यारी-सी चिट्ठी में।

बादल की चिट्ठी

प्यारे बच्चो

जरा पहचानो तो मुझे, खिड़की से बाहर आसमान की तरफ देखो। अभी-अभी हाथी का रूप बनाकर आसमान में घूम रहा था। अब अचानक दौड़ते हुए सफेद घोड़े जैसा दिखने लगा हूं। मैं हूं बादल, तुम्हारा प्यारा कूल दोस्त! आज मैं ऊपर आसमान की ऊंचाइयों से, नीली स्याही में अपनी कलम डुबोकर, यह चिट्ठी खास तुम्हारे लिए लिख रहा हूं...

मेरा घर और मेरा अनोखा सफर: दोस्तो, तुम मुझे हमेशा आसमान में देखते हो लेकिन क्या तुम जानते हो कि मेरा जन्म तो धरती पर ही हुआ है? नदियों, तालाबों, सागरों और हरी-भरी घासों पर बिखरी ओस की बूंदों में मेरा बचपन बीता है। जब सूरज दादा अपनी तेज धूप चमकाते हैं, तो मुझे बहुत गर्मी लगती है। तब मैं हल्का होकर 'भाप' बन जाता हूं, चुपके से ऊपर की ओर उड़ने लगता हूं। इसे विज्ञान की भाषा में वाष्पीकरण कहते हैं, लेकिन मेरे लिए यह आसमान की सैर का 'जादुई टिकट' है। ऊपर आकर जब मुझे ठंडी-ठंडी हवाएं मिलती हैं, तो मैं अपने जैसे लाखों-करोड़ों छोटे भाइयों और बहनों से गले मिल जाता हूं। हम सब मिलकर आसमान में तैरते हुए रुई के बड़े-बड़े पहाड़ जैसे बन जाते हैं। बस, यही मेरा बादल वाला रूप है!

मैं रूप बदलता हूं पल-पल: तुम लोग तो सिर्फ फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में ही रूप बदलते हो, लेकिन मैं तो हर मिनट अपना भेष बदल सकता हूं! कभी मैं आसमान में बिखरी हुई सफेद रुई जैसा दिखता हूं, तो कभी काले रंग का गाढ़ा कंबल बन जाता हूं। जब मैं सफेद होता हूं, तो मैं खुशमिजाज और शांत होता हूं। तब मैं तुम्हारे साथ लुका-छिपी खेलता हूं। लेकिन जब मेरा रंग गहरा सलेटी या काला होने लगे, तो समझ जाना कि अब मैं बहुत भारी हो गया हूं। मेरे अंदर पानी की बूंदें इतनी बढ़ जाती हैं कि मुझसे संभाली नहीं जातीं, फिर मैं जोर से गरजता हूं, गड़-गड़-गड़ाम! यह मेरा गुस्सा नहीं बच्चो, यह तो मेरा ढोल है, जिसे बजाकर मैं ऐलान करता हूं, 'लो भाई, मैं आ गया! अब बरसूंगा झमाझम, अपनी नावें तैयार कर लो!'

जब मैं बरसता हूं: जब मैं बरसता हूं, तो धरती पर त्योहार जैसा माहौल हो जाता है। मोर अपने सुंदर पंख फैलाकर नाचने लगते हैं, मेंढक टर्र-टर्र के कोरस में गाना गाते हैं। पेड़ों की पत्तियां ऐसे नहा-धोकर चमकती हैं, जैसे उन्होंने नए कपड़े पहने हों। मुझे सबसे ज्यादा मजा तब आता है, जब तुम लोग रंग-बिरंगे कागज की नावें लेकर बाहर दौड़ते हो। तुम्हारी बनाई वो छोटी-छोटी नावें जब पानी की लहरों पर तैरती हैं, तो ऊपर से देखकर मेरा दिल खुशी से झूम उठता है। मिट्टी से जो सोंधी-सोंधी खुशबू आती है, वो मेरी और धरती मां की दोस्ती की महक होती है।

आसमान की मजेदार बातें: ऊपर आसमान से तुम्हारी दुनिया बहुत खूबसूरत दिखती है। मुझे सबसे अच्छे तुम्हारे स्कूल के मैदान लगते हैं, जहां तुम सब तितलियों की तरह रंग-बिरंगे कपड़ों में खेलते हो। कभी-कभी जब सूरज दादा मेरी पीठ थपथपाते हैं, तो मैं एक जादुई पट्टी हवा में बिखेर देता हूं। तुम उसे बड़े चाव से देखते हो और खुशी से चिल्ला पड़ते हो, 'देखो, इंद्रधनुष!' उसके सातों रंग बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी, लाल असल में मेरी ही बूंदों से छनकर निकलने वाली सूरज की किरणें होती हैं।

पहाड़ों से मेरी अनोखी कुश्ती: बच्चो, क्या तुमने कभी पहाड़ों के ऊपर मुझे तैरते देखा है? जब मैं अपनी मखमली चाल से आगे बढ़ता हूं, तो ऊंचे-ऊंचे पहाड़ मेरा रास्ता रोक लेते हैं। फिर हमारे बीच एक दोस्ताना कुश्ती होती है! मैं उनसे टकराकर उनके ऊपर बर्फ या पानी की ठंडी बौछारें गिरा देता हूं। पहाड़ों से टकराकर ही मैं नदियों को उनका नया पानी देता हूं, जो बहकर तुम तक पहुंचता है।

मेरा कूलिंग इफेक्ट: तुमको पता है, मैं सिर्फ पानी ही नहीं बरसाता, बल्कि मैं इस पूरी धरती के लिए एक जादुई छत या 'नेचुरल एयर-कंडीशनर' का काम भी करता हूं। जब मई-जून के महीने में सूरज दादा का पारा सातवें आसमान पर होता है, धरती तवे जैसी दहकने लगती है, तब मैं अपने पंख फैलाकर धूप को रोक लेता हूं। मेरी वजह से धरती मां को ठंडी छांव मिलती है, जिससे पेड़-पौधों और तुम सब बच्चों को गर्मी से राहत मिलती है।

आसमान में पेंटिंग क्लास: शाम के वक्त जब सूरज दादा घर लौटने वाले होते हैं, तब मैं उनके साथ मिलकर 'पेंटिंग क्लास' चलाता हूं। मैं सूरज की आखिरी किरणों को अपने भीतर सोखकर गुलाबी, चमकीला नारंगी, गहरा लाल या सुनहरा रंग ओढ़ लेता हूं। उस वक्त आसमान किसी बड़ी ड्राइंग बुक जैसा खूबसूरत दिखने लगता है। मैं चाहता हूं कि जब तुम शाम को खेलने के लिए घर से बाहर पार्क में जाओ तो मेरी इस जादुई कलाकारी को निहारो।

एक छोटी-सी शिकायत: बच्चो, जब मैं नीचे देखता हूं, तो कई जगहों पर पेड़ बहुत कम दिखते हैं। कारखानों और गाड़ियों का काला, जहरीला धुआं जब मुझसे आकर टकराता है, तो मुझे बहुत खांसी आती है, मेरा दम घुटने लगता है। अगर पेड़ नहीं होंगे, तो मुझे ठंडक कौन देगा? और अगर मुझे ठंडक नहीं मिलेगी, तो मैं पिघलकर बरसूंगा कैसे? फिर तो नदियां सूख जाएंगी और तुम सबके हिस्से का पानी कम हो जाएगा।

करो एक वादा: दोस्तो, मैं तुमसे एक वादा चाहता हूं। क्या अपने इस दोस्त की बात मानोगे? तुम अपने हर जन्मदिन पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाओ। पानी की एक भी बूंद को बर्बाद न होने दो। प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करो ताकि हमारी धरती साफ-सुथरी रहे। जब तुम खूब सारे पेड़ लगाओगे, तो धरती हरी-भरी हो जाएगी। फिर मैं हर साल ढेर सारा ठंडा-मीठा पानी लेकर तुम सबके पास समय पर आऊंगा। हम फिर से रिमझिम बारिश में भीगेंगे मिलकर गाना गाएंगे। बाय.. बाय.. बच्चो! *

तुम्हारा बादल भैया

यह भी जानो / मच्छिंद्र ऐनापुरे

कमाल के होते हैं लिविंग रूट ब्रिज

बच्चो, क्या तुमने कभी ऐसे पुल के बारे में सुना है, जो पत्थर या सीमेंट से नहीं, पेड़ों की जड़ों से बने हों? हां बच्चो, ऐसे अद्भुत पुल अपने ही देश में मौजूद हैं। इन्हें लिविंग रूट ब्रिज कहा जाता है।

कहां हैं ये अनोखे पुल: ये अनोखे पुल भारत के पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में पाए जाते हैं। स्थानीय भाषा में इन पुलों को 'जिंगकिएंग जरी' और 'ल्यु चराई' कहा जाता है। मेघालय अपनी हरियाली, बारिश और प्राकृतिक सुंदरता के साथ-साथ इन अनोखे पुलों के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। भारत सरकार ने हाल ही में इन पुलों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए एक प्रस्ताव भी भेजा है। मेघालय के 70 से 72 गांवों में लगभग 100 लिविंग रूट ब्रिजेस हैं। समय के साथ इनकी संख्या बदलती रहती है।

किस पेड़ की जड़ों से बनते हैं ये पुल: मेघालय की खासी और जयंतिया पहाड़ियों में एक खास पेड़ पाया जाता है- फिकस इलास्टिका यानी रबर का पेड़। आमतौर पर पेड़ों की जड़ें जमीन के अंदर जाती हैं, लेकिन इस पेड़ की कुछ जड़ें जमीन के ऊपर भी निकलती हैं। ये जड़ें बहुत मजबूत और लचीली होती हैं- बिल्कुल रस्सी की तरह।

कैसे बनता है रूट ब्रिज: पेड़ अपने आप पुल नहीं बना लेते। इन पुलों को पेड़ों की जिंदा जड़ों को मोड़कर, जोड़कर और बुनकर बनाया जाता है। नदी के किनारे उगने वाले इन पेड़ों की जड़ों को सही दिशा में बढ़ने के लिए तैयार किया जाता है। इसके लिए पहले उन्हें बांस का सहारा दिया जाता है, फिर जड़ों को आपस में गूंथकर ग्रो करने के लिए छोड़ दिया जाता है। यह काम स्थानीय खासी और जयंतिया जनजातियों के बुजुर्ग लोग करते हैं, जिन्होंने यह कला अपने पूर्वजों से सीखी हुई है। जब जड़ें आपस में जुड़ जाती हैं, तो उनके बीच की खाली जगहों में लकड़ी, पत्थर और मिट्टी भर दी जाती है। इससे पुल और भी मजबूत बन जाता है। लिविंग रूट ब्रिज बायो-इंजीनियरिंग का शानदार उदाहरण है।

कितना समय लगता है: एक लिविंग रूट ब्रिज बनने में 15 से 30 साल तक लग सकते हैं, लेकिन एक बार बन जाने के बाद ये पुल सैकड़ों साल तक टिके रहते हैं। मेघालय के कुछ लिविंग रूट ब्रिज तो करीब 500 साल पुराने माने जाते हैं। पेड़ जितना बड़ा और मजबूत होता जाता है, पुल भी उतना ही मजबूत बनता जाता है।

बच्चो, लिविंग रूट ब्रिज हमें बताते हैं, हम प्रकृति के साथ मिलकर काम करें तो अद्भुत निर्माण कर सकते हैं! *

लिविंग रूट ब्रिज की उपयोगिता

बच्चो, यह तो तुम जानते ही हो कि मेघालय में बहुत ज्यादा बारिश होती है। यहां अकसर बाढ़ भी आती है। ऐसे में लकड़ी, लोहे या सीमेंट के पुल जल्दी खराब हो सकते हैं या पानी में बह भी सकते हैं। लेकिन पेड़ों की जड़ों से बने ये पुल बारिश और बाढ़ में भी मजबूती से टिके रहते हैं और स्थानीय लोगों के आवागमन में सहायता प्रदान करते हैं। इसलिए लिविंग रूट ब्रिज का निर्माण किया जाता है।

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

आए बादल

उमड़-घुमड़ कर आए बादल,
सभी दिशा में छाए।
टिप-टिप बूंदें लगीं बरसने,
पंछी शोर मचाए।
नन्हीं चिड़िया चूं-चूं बोली,
चलो, नहाकर आएं।
धुली-धुली-सी लगती धरती,
पौधे सभी नहाएं।
जंगल-जंगल मोर नाचता,
कोयल गीत सुनाए।
उत्सव का माहौल हुआ है,
बादल ढोल बजाए।
बिजली रानी हंसकर बोली,
सेल्फी अब हो जाए!
टिप-टिप बूंदें रहीं बरसतीं,
बारिश सबको भाए।

हंसगुल्ले

पिंकी: कल रात को सपने में मेरे पैर में कांटा चुभ गया था।
मिंकी: तुम चप्पल पहन कर सोया करो तब कांटा नहीं चुभेगा।
-दिव्या, रायपुर

कंप्यूटर टीचर: कंप्यूटर चलाने के लिए सबसे पहले सही ढंग से माउस पकड़ना आना चाहिए।
चिंटू: लेकिन सर, माउस को तो बिल्लियां पकड़ती हैं।
-रितेश, बिलासपुर

जीके क्विज-217

1. कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय प्लेयर्स ने कुल कितने गोल्ड मेडल जीते?
2. कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में जेवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने कौन-सा मेडल जीता?
3. भारत के वर्तमान संचार मंत्री कौन हैं?
4. जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर कौन थे?
5. वायुमंडल में कौन-सी गैस सर्वाधिक मात्रा में पाई जाती है?
6. अंग्रेजों के खिलाफ पहली क्रांति किस सन में हुई थी?
7. भारत में वोट देने की न्यूनतम आयु कितनी है?
8. भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति कौन थे?
9. पौधे का कौन-सा भाग मुख्य रूप से भोजन बनाने (प्रकाश संश्लेषण) में सहायक होता है?
10. हमारे शरीर का कौन-सा अंग रक्त का शुद्धिकरण करता है?

बच्चो, जीके क्विज-217 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-216 का उत्तर : 1.प्रह्लाद जोशी, 2.सारनाथ, 3.मीराबाई चानू, 4.वैभव सूर्यवंशी, 5.संस्कृत, 6.बिहार, 7.ओ(O), 8.चंद्रमा, 9.राज्यसभा, 10.जस्टिस सूर्यकांत

जीके क्विज-216 का सही उत्तर देने वाले : अर्पित-रायपुर, विवेक-दुर्ग, सान्या-बिलासपुर, हर्षिता-बलौदा बाजार, देवनारायण-जांजगीर, जिया शिया-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़-बिलाईगढ़, कबीर-हिसार, जीवेश-रोहतक, संचिता-महासमुंद

कहानी
रंजना मिश्रा

हमें किसी को कम नहीं समझना चाहिए। हर किसी में कोई ना कोई खूबी होती है। रवि और उसकी टीम ने साहिल को किसी लायक नहीं समझा, लेकिन वह ऐसा हुनरमंद निकला कि उसकी मदद से रवि की टीम को प्राइज मिला।

रंगों का जादूगर

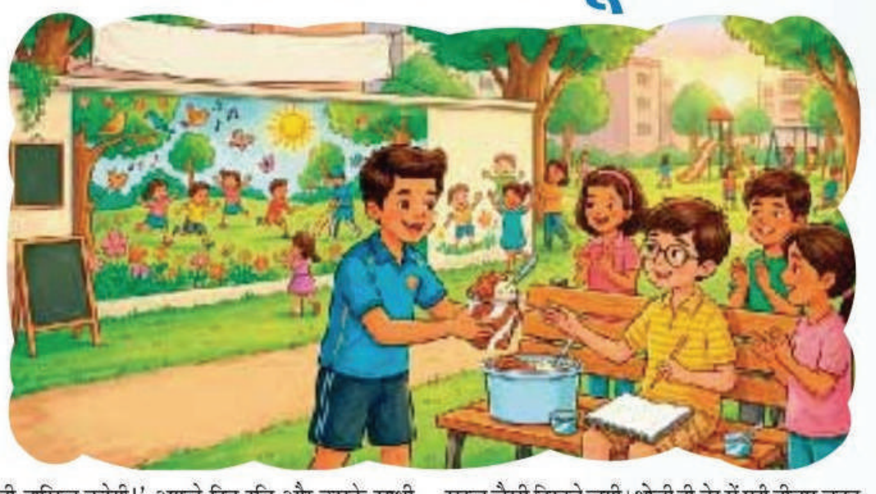

रवि अपनी सोसाइटी की क्रिकेट टीम का कप्तान था। वह क्रिकेट खेलते समय हमेशा चौके-छक्के मारता था। शाम होते ही रवि और उसके दोस्त क्रिकेट खेलते हुए पार्क में खूब धमाल मचाते थे।

एक दिन पार्क की बेंच पर एक नया लड़का साहिल आकर बैठा था। वह इन सबके साथ खेल नहीं रहा था। वह बस अपनी ड्रॉइंग बुक में झुका हुआ कोई चित्र बना रहा था। तभी रवि ने बैट से बॉल मारी। बॉल लुढ़कती हुई साहिल के पैरों के पास पहुंच गई। रवि ने आवाज दी, 'ऐ लड़के बॉल इधर फेंक दो!'

साहिल ने घबराकर बॉल उठाई और रवि की ओर फेंक दी। लेकिन बॉल रवि तक पहुंची ही नहीं, थोड़ी दूर जाकर रुक गई।

रवि के दोस्त हंस पड़े। कोई बोला, 'इसे तो बॉल ठीक से फेंकनी भी नहीं आती।'

साहिल चुपचाप वापस आकर अपनी बेंच पर बैठ गया। उसका चेहरा उतर गया था। रवि ने कंधे उचकाए और फिर से खेलने में लग गया।

कुछ दिनों बाद सोसाइटी के गार्ड अंकल ने पार्क के बोर्ड पर एक नोटिस लगाया, इसमें लिखा था- 'पार्क सजाओ मुकाबला!' नोटिस के अनुसार बच्चों को पार्क की खाली दीवारों को पेंट करना था। जिस टीम की दीवार सबसे सुंदर लगेगी, उसे एक बड़ा-सा आइसक्रीम का डिब्बा ईनाम में दिया जाएगा। रवि और उसकी टीम बहुत उत्साहित हो गई। वह बोला, 'जीत तो हमारी टीम ही हासिल करेगी!' अगले दिन रवि और उसके साथी पेंट और ब्रश लेकर एक दीवार के पास पहुंच गए। रवि ने कहा, 'चलो, हम दीवार पर क्रिकेट खेलते बच्चों का चित्र बनाते हैं।' पेंटिंग करना क्रिकेट खेलने जैसा आसान नहीं था। किसी ने बैट बहुत छोटा बना दिया, तो किसी ने बॉल का चित्र इतना बड़ा बना दिया कि वह सूरज जैसी दिखने लगी। थोड़ी ही देर में पूरी दीवार बहुत ही बेतुके ढंग के चित्रों से रंग गई।

रवि की टीम में एक लड़की माया दुःखी स्वर में बोली, 'अरे! दीवार तो बहुत खराब लग रही है। अब हम हार जाएंगे।' तभी माया की नजर कोने में बैठे साहिल पर पड़ी। वह अपनी ड्रॉइंग बुक में कोई चित्र बना रहा था। वह चुपके से उसके पीछे गई और खड़ी होकर उसकी ड्रॉइंग बुक को देखने लगी। माया यह देखकर हैरान रह गई कि साहिल ने अपनी ड्रॉइंग बुक में पूरे पार्क का चित्र बना रखा था। उसमें रंग-बिरंगे फूल, उड़ते हुए पक्षी और रवि की टीम को खुशी से खेलते हुए दिखाया था। वह चित्र बहुत सुंदर लग रहा था। माया भागकर रवि के पास आई, बोली, 'रवि, जल्दी चलो! साहिल तो रंगों का जादूगर है!'

रवि और बाकी बच्चों ने साहिल के पास आकर जब उसकी ड्रॉइंग देखी तो उनकी आंखें खुली की खुली रह गईं। रवि को अपने आप पर थोड़ी शर्म आई। वह साहिल से बोला, 'साहिल, हम तुम्हारे ऊपर हंसे थे, उसके लिए सॉरी। तुम्हारी ड्रॉइंग तो कमाल की है! क्या तुम हमारी मदद करोगे?' साहिल ने सकुचाते हुए 'हां' में सिर हिला दिया। अगले ही पल, साहिल 'कप्तान' बन गया था। वह सबको निर्देश दे रहा था, 'रवि, तुम आकाश में नीला रंग भरो। माया, तुम फूलों में पीला रंग भरो।'

साहिल ने पार्क की दूसरी दीवार पर पहले एक सुंदर चित्र बनाया फिर रवि और उसके साथियों ने मिलकर उसमें रंग भरे। सबने बहुत मेहनत और सफाई से काम किया। शाम तक वह दीवार एक सुंदर कलाकृति में बदल गई थी। जब गार्ड अंकल ने दीवार देखी, बहुत खुश हुए, बोले, 'वाह! यह तो कमाल है! रवि की टीम जीत गई!' ईनाम में उन्हें आइसक्रीम का एक बड़ा डिब्बा मिला। रवि ने आइसक्रीम का पहला कप साहिल को दिया और बोला, 'आज से तुम भी हमारी टीम में हो।'

साहिल मुस्कुरा दिया। उस दिन रवि और उसके दोस्तों ने सीखा कि हर किसी में कोई ना कोई खूबी होती है। कोई किसी खेल में पारंगत होता है, तो कोई संगीत-नृत्य में तो कोई चित्रकला में। *

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

इशिता की समझदारी

बच्चो, इशिता नौ साल की है। शरारती है, जासूसी कहानियां पढ़ती है और रोजाना की जिंदगी को थोड़ा और मजेदार बनाना चाहती है। उसके एक दिन के रोमांचक सफर की बड़ी ही प्यारी-सी कहानी की किताब है- इशिता की सूझबूझ। इस कहानी के अनुसार एक दिन वह अपनी मम्मी और भाई विशु के साथ मामा के घर जाने के लिए निकलती है। लेकिन मेट्रो के सफर में उन दोनों से अलग हो जाती है। वह जानबूझकर अलग होती है या हड़बड़ी में? कुछ देर बाद वह पुलिस वाली आंटी के साथ क्यों नजर आती है? मम्मी और भाई से अलग होकर भी वह मुस्कुराती क्यों है? ये तो रहस्य की बातें हैं और इस रहस्य को सुलझाने के लिए तुम्हें यह किताब पढ़नी होगी। इस किताब के लेखक हैं विकास नैनवाल। किताब की भाषा सरल, सरस और आसानी से समझ में आने वाली है। किताब में मोटे फॉण्ट का इस्तेमाल किया गया है, जिससे पढ़ने में आसानी होती है। किताब के रंगीन चित्र बहुत आकर्षित करते हैं। यह किताब इतनी रोचक है कि इसे तुम एक बार पढ़ना शुरू करोगे तो पूरा पढ़कर ही उठोगे। तो देर किस बात की! तुम भी यह किताब मंगवाओ और पढ़ डालो। *

किताब : इशिता की सूझबूझ, **लेखक :** विकास नैनवाल,
मूल्य : 149 रुपए, **प्रकाशक :** साहित्य विमर्श, गुरुग्राम

अंतर बताओ

बच्चो, यहां दिए गए दोनों चित्रों में एक मादा कंगारू अपने बच्चे के साथ खड़ी है। एक जैसे दिख रहे इन दोनों चित्रों में आठ अंतर हैं। तुम पांच मिनट में इन दोनों चित्रों में आठ अंतर ढूंढ़कर बताओ।

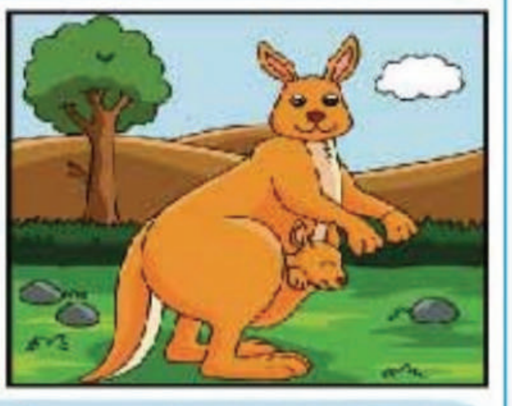

उत्तर: 1.कंगारू की बाईं कलाई पर एक बैंड बंधा हुआ है। 2.कंगारू के दाएं पैर की अंगुलियां बड़ी-बड़ी हैं। 3.कंगारू के मार्सूपियम (थैली) में दिख रहे नन्हे कंगारू की आंख बंद है। 4.कंगारू के पीछे बाईं तरफ एक स्टोन अधिक दिख रहा है। 5.पीछे पेड़ में एक टहनी अधिक दिख रही है। 6.पेड़ की पत्तियों के बीच एक बड़ी पत्ती दिख रही है। 7.पीछे पहाड़ के बीच में एक उभरी हुई चोटी दिख रही है। 8.ऊपर दाईं तरफ बादल का एक टुकड़ा दिख रहा है।

मिलान करो

बच्चो, यहां बाईं तरफ कुछ एनिमल्स के चित्र दिए गए हैं। दाईं तरफ उन चित्रों की परछाइयां दी गई हैं, जो क्रम में नहीं हैं। तुम पेंसिल या पेन की सहायता से एनिमल्स के चित्र और परछाईं का सही मिलान करो।

उत्तर : 1-B, 2-A, 3-D, 4-C